वर्ष-10//अंक-5//फरवरी 2022

ISSN 2454–5805

₹20/-

आम आदमी पत्रिका

एक आम इंसान की सोच

RNI NO.: CHHHIN/2013/50684

विकास मॉडल को राहुल गांधी ने सराहा

» 10

कोरोना से जागरूकता के जनप्रतिनिधि आगे आए

» 20

महिलाओं की बढ़ रही आमदनी

» 26

न्याय योजना से खेती-किसानी के दिन बहुरे

www.aamaadmi.in

आम आदमी पत्रिका

वर्ष-9//अंक-5//फरवरी 2022

प्रबंध संपादक	:	उमेश के बंसी
सर्कुलेशन इंचार्ज	:	प्रकाश बंसी
रिपोर्टर	:	नेहा श्रीवास्तव
कंटेंट राईटर	:	प्रशांत पारीक
क्रिएटिव डिजाइनर	:	देवेन्द्र देवांगन
मैग्ज़ीन डिज़ाइनर	:	युनिक ग्राफिक्स
मार्केटिंग मैनेजर	:	किरण नायक
एडमिनिस्ट्रेशन	:	निरूपमा मिश्रा
अकाउंट असिस्टेंट	:	प्रियंका सिंह
ऑफिस कॉर्डिनेटर	:	योगेन्द्र बिसेन

प्रधान कार्यालय

965/1 कक्कड़ चौक, श्याम नगर रोड,
कटोरा तालाब,रायपुर, छत्तीसगढ़

फोन : 0771-4044047

ईल : khabar@aamaadmi.in

कार्यालय

प्लाट नं.118, कंचन बाग, राजनांदगांव

प्रकाशक

उमेश कुमार बंसी, क्वाटर नंबर 10, एम.एम.
रियल स्टेट कॉलोनी, अमलीडीह, रायपुर
(छत्तीसगढ़) से प्रकाशित एवं मुद्रित

विशेष- इस पत्रिका में प्रकाशित लेखों में दिये गए विचार, लेखकों के अपने है। इसमें संपादक / मुद्रक की सहमति अनिवार्य नहीं है। किसी भी प्रकार के विवाद की स्थिति में संपादक / मुद्रक जिम्मेदार नहीं होगा। इस पत्रिका से संबंधित किसी भी विवाद के लिए सुनवाई क्षेत्र रायपुर न्यायालय होगा।

छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था के विविधिकरण और इसे विकसित राज्यों के स्तर तक लाने के लिए नए नए प्रयास किए जा रहे हैं। कृषि प्रधान अर्थव्यवस्था की मजबूती के लिए राज्य में कई कदम उठाए गए हैं।

5

उद्यानिकी फसलों के लिए प्रोत्साहित करें 8

मंत्री चौबे ने कहा कि छेरछेरा पर्व का विशेष महत्व है।

अंग्रेजी में कमजोर लड़की कैसे बनी IAS? 12

किसी भी युवा के लिए कॉम्पिटिटिव एग्जाम क्लियर करना आसान नहीं होता है।

चन्नी होंगे सीएम चेहरा 19

लंबी जद्दोजहद के बाद चन्नी को सीएम कैंडिडेट घोषित कर दिया।

बजट में महिलाओं की उपेक्षा फूलो देवी नेताम 22

फूलों देवी नेताम ने बजट को बेहद दिशाहीन व उद्देश्यविहीन बताया..

सपा-कांग्रेस का समझौता ... 24

करहल व जसवंतनगर सीट पर कांग्रेस ने उम्मीदवार नहीं उतारा...

कोविड के इलाज के सभी कार्य मिशन मोड में करें 30

वर्चुअल समीक्षा बैठक में डॉ. टेकाम अपने निवास कार्यालय से शामिल हुए...

रोजगार से विकास के रास्ते दौड़ेगा छत्तीसगढ़

उमेश के बंसी
(प्रबंध संपादक)

छत्तीसगढ़ सरकार ने तीन साल के भीतर भले ही पांच लाख नौकरियां देने का दावा कर रही है, लेकिन एक और दावे से छत्तीसगढ़ समूचे विकास के रास्ते दौड़ने लगेगा। वह कैसे आप भी जरा जानिए। सरकार ने अभी रोजगार मिशन की तैयारी की है। ये लक्ष्य है कि पांच साल में 15 लाख लोगों को रोजगार मिलेंगे। बकायदा इसके लिए छोटे-छोटे विभागों को रोजगार सृजन करने वालों को दिशा-निर्देश भी दिया गया है। अगर रोजगार मिशन के जरिए सरकार अगर नई रूपरेखा तैयार कर विकास के पहिये को आगे बढ़ाएगी तो निश्चित तौर पर एक बड़ा फायदा छत्तीसगढ़ में देखने को मिलेगा। राज्य सरकार छत्तीसगढ़ के विकास मॉडल की बड़ी चर्चा करती है, वह कहती है कि राज्य का विकास मॉडल गुजरात माडल से बेहतर है, इसलिए इसकी चर्चा देश भर में होती है। हर सरकार अपने राज्य के विकास मॉडल की प्रशंसा करती है। नरेंद्र मोदी जब गुजरात के सीएम थे तो उन्होंने राज्य में कुछ ऐसे विकास के काम किए थे जिससे गुजरात का विकास हुआ था तथा गुजरात मॉडल देश में चर्चा का विषय रहा था। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल कहते हैं कि छत्तीसगढ़ का विकास मॉडल गुजरात मॉडल से अच्छा है तो सच ही कहते हैं। उन्होंने भी तो कई काम ऐसे किए हैं जिससे छत्तीसगढ का विकास हुआ है। उनका छत्तीसगढ़ का विकास का माडल देश में चर्चा का विषय है। राज्य के विकास माडल के अलावा इन दिनों यहां का शराब बेच के पैसा कमाने का माडल भी चर्चा का विषय है। खबरों के मुताबिक इस माडल को देखने व समझने के लिए झारखंड से अधिकारियों का एक दल इसी माह छत्तीसगढ़ आया था। वह यह देखने आया था कि छत्तीसगढ़ की आबादी झारखंड से कम होने के बाद भी यहां की सरकार को शराब बिक्री से आय झारखंड से ज्यादा कैसे होती है। झारखंड की आबादी साढ़े तीन करोड से ज्यादा है और वहां सरकार को शराब से राजस्व दो हजार करोड रुपए मिलता है, वहीं छत्तीसगढ़ की आबादी ढाई करोड लेकिन यहा सरकार को शराब से राजस्व पांच हजार करोड रुपए मिलता है। झारखंड व छत्तीसगढ़ के शराब से राजस्व संग्रहण की तुलना की जाए तो यह छत्तीसगढ़ सरकार,यहां के आबकारी विभाग, यहां के आबकारी मंत्री की उपलब्धि तो है। लेकिन कोई इसे अपनी उपलब्धि बताने की हिम्मत नहीं करता है। क्योंकि यहां की सरकार ने चुनाव में वादा तो शराबबंदी का किया है। जब सरकार ने वादा शराबबंदी का किया है तो वह ज्यादा शराब बेचकर ज्यादा राजस्व प्राप्त करने को अपनी उपलब्धि कैसे बता सकती है। यहां की जनता वैसे ही इस बात पर चकित है कि सरकार तो हमेशा शराबंबदी की बात करती है लेकिन शराब से कमाई हर साल बढ़ कैसे जाती है। सरकार हर साल कई शराब दुकानें बंद करती हैं, ताकि शराब की खपत कम हो, शराब से आ कम य हो, लेकिन शराब की खपत भी हर साल बढ़ जाती है। हर साल आय भी बढ़ जाती है। झारखंड के अधिकारी यही तो समझने आए हैं कि ढाई करोड की आबादी वाला छत्तीसगढ़ पांच हजार करोड़ की शराब कैसे पीता है। इसे समझना है तो यह समझना होगा कि शराब से आय ऐसे ही नहीं बढ़ जाती है। उसके लिए सरकार को खुद ही शराब बेचनी पड़ता है। .यह कोई आसान काम नहीं है। पहले यहां भी झारखंड की तरह शराब से ज्यादा आय सरकार को नहीं होती थी, सरकारें ठेकेदारों को शराब बेचने का ठेका दकर उनको कमाई करने देती थी। सरकार को एक दिन ज्ञान हुआ कि शराब बेचकर ठेकेदार कमा सकते हैं तो सरकार क्यों नहीं कमा सकती। तब से यहां कोई भी सरकार हो शराब से कमाई कम नहीं हुई है। वर्तमान सरकार के समय भी शराब से कमाई कम नहीं हुई है। पहले लोग गर्व से कहते थे कि सरकार का काम व्यापार करना,पैसा कमाना नहीं हैं लेकिन आज तो वही सरकार अच्छी सरकार मानी जाती है जो हर साल ज्यादा पैसा कमाती है। झारखंड सरकार भी छत्तीसगढ सरकार की तरह ज्यादा पैसा कमाने वाली सरकार बनना चाहती है तो इसमें कोई बुराई नहीं है.

छत्तीसगढ़ रोजगार मिशन

देश में चमकेगा ब्रांड छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था के विविधिकरण और इसे विकसित राज्यों के स्तर तक लाने के लिए नए नए प्रयास किए जा रहे हैं। कृषि प्रधान अर्थव्यवस्था की मजबूती के लिए राज्य में कई कदम उठाए गए हैं। यहां धान और वनोत्पाद के विपुल उत्पादन के साथ-साथ पर्यटन की संभावनाओं को देखते हुए कई पहल की गई है। इसी के तहत यहां सुराजी गांव और गोधन न्याय योजना, इथेनाल प्लांट की स्थापना, मिलेट मिशन, वनोपज एवं वनोत्पाद के वेल्यूएडिशन सहित कई क्षेत्रों में काम हो रहा है। लाख और मत्स्य उत्पादन को कृषि का दर्जा दिया गया है। राज्य के विभिन्न उत्पादों की बिक्री के लिए सी-मार्ट प्रारंभ करने की योजना बनायी गई है। पर्यटन संभावनाओं के दोहन के लिए पर्यटन क्षेत्रों का विकास किया जा रहा है। इन्हीं सब प्रयासों को एकीकृत करने और रोजगार की नई संभावानाओं के सृजन के लिए छत्तीसगढ़ रोजगार मिशन की शुरूआत की गई है।

राज्य में लोगों को आर्थिक क्रियाकलापों से जोड़ने और उनके आर्थिक सशक्तिकरण के लिए संभवतः देश में पहली बार रोजगार मिशन की परिकल्पना छत्तीसगढ़ में की गई है। यह मिशन राज्य और जिलों की परिस्थितियों के अनुसार रोजगार के नए-नए अवसरों के सृजन के लिए काम करेगा। इस काम के लिए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की अध्यक्षता में छत्तीसगढ़ रोजगार मिशन का गठन किया गया है। यह मिशन रोजगार से जुड़े सभी महत्वपूर्ण विभागों के बीच में समन्वय स्थापित कर नए-नए रोजगार की संभावनाएं तलाशने के साथ ही उन्हें संचालित करने में मदद करेगा। मुख्य सचिव इस मिशन के उपाध्यक्ष बनाए गए हैं। इस मिशन के काम-काज को व्यवस्थित रूप

से संचालित करने के लिए मुख्य कार्यपालन अधिकारी की नियुक्ति की गई है।

रोजगार मिशन के माध्यम से आगामी 5 वर्षों में 10 से 15 लाख रोजगार के नए अवसरों का सृजन करने का लक्ष्य है। यह मिशन रोजगार को बढ़ावा देने संबंधी नीतिगत फैसले लेगा और राज्य की औद्योगिक नीति और अन्य नियमों में जहां भी आवश्यक प्रावधान करने की जरूरत होगी अपनी सिफारिश करेगा। सभी जिलों में रोजगार के लिए सेक्टरों का चिन्हांकन होगा। इनमें परम्परागत अवसरों के साथ ही रोजगार के नए अवसरों की पहचान की जाएगी। रोजगार के इच्छुक युवाओं का चिन्हांकन कर उनके लिए कौशल विकास की व्यवस्था की जाएगी। जिलों में रोजगार पार्क भी बनाए जाएंगे, जहां ऐसी इकाईयां स्थापित की जाएंगी। रूरल इंडस्ट्रीयल पार्कों में तैयार उत्पादों की शासकीय खरीदी के अलावा खुले बाजार में बिक्री की व्यवस्था की जाएगी। सेवा क्षेत्रों में नए रोजगार की संभावनाओं को देखते हुए इन गतिविधियों में युवाओं के कौशल प्रशिक्षण की व्यवस्था की जाएगी।

रोजगार मिशन ब्रांड छत्तीसगढ़ की पहचान को पूरे देश भर में स्थापित करने के लिए भी काम करेगा। देश के सभी बड़े महानगरों दिल्ली, मुम्बई, बेंगलूरू आदि में छत्तीसगढ़ के उत्पादों की प्रदर्शनियों का आयोजन करेगा। इसके साथ ही एयरपोर्ट में भी छत्तीसगढ़ के उत्पादों के स्टालों की स्थापना की जाएगी। ई-कामर्स के बड़े ब्रांड से अनुबंध के साथ ही रिटेल क्षेत्र में बिग बाजार और डीमार्ट से भी यहां के उत्पादों की बिक्री के लिए अनुबंध किया जाएगा। कोसा उत्पादों की बिक्री के लिए देश भर में फैशन शो के आयोजन के साथ ही पयर्टन संभवावनाओं के दोहन के लिए विशेष प्रचार अभियान चलाया जाएगा। ब्रांड छत्तीसगढ़ के लिए किसी बड़े सेलेब्रिटी को ब्रांड एम्बेस्डर नियुक्त करने की योजना भी है।

रोजगार मिशन रोजगार के नए अवसरों के सृजन के लिए आई.आई.टी, आई. आई.एम. और कृषि विश्वविद्यालयों से छत्तीसगढ़ के उत्पादों की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए शोध गतिविधियों के संचालन के साथ ही नए स्टार्ट-अप को प्रोत्साहन और मार्केटिंग स्टेज्टजी और ऋण सुविधा उपलब्ध कराने में मदद भी करेगा। रोजगार की गतिविधियां बढ़ाने के लिए सभी जिलों में वहां की परिस्थितियों के अनुसार रोजगार सृजन के लिए गतिविधियों का चिन्हांकन किया जाएगा। चिन्हांकित 10 से 20 गतिविधियों में जिले स्तर पर कार्य योजना तैयार की जाएगी। कार्य योजना अल्पावधि और दीर्घ अवधि दोनों के लिए तैयार होगी। इसके लिए सभी जिला कलेक्टरों को दिशा-निर्देश दिए गए हैं।

मिलिए शेयर मार्केट के किंग पिन वेल्थ मैनेजर अंकित से
रिकॉर्ड तोड़ है इनकी कमाई

सबसे पहले कौन है अंकित यादव ?

अंकित यादव छोटे से शहर भिलाई के रहने वाले है, वो अभी USA के वेल्थ मैनेजर है, एक इन्वेस्टर है जो की शेयर मार्केट में निवेश करते है। एक एंट्रेप्रेनुएर है और एक एडुकेटर है जिनके 7 लाख से भी अधिक फॉलोवर्स है इसके साथ अंकित यादव मार्केट मैस्ट्रो के फाउंडर और डायरेक्टर भी है। अंकित राज्य के सबसे अधिक टैक्स भुगतान करने वालो में से एक भी है।

बन गए अब नेशनल ही नही इंटरनेशनल स्टार

अंकित का रुतबा तब बढ़ा, जब दुनिया मंदी की ओर जा रही थी उडश्क्ड के समय, तब अंकित ने TESLA के उदय की भविष्वाणी की, जो की बाद में चल कर सच हुई। इससे उन्हें काफी लोकप्रियता मिली और JP Morgan, Morgan Stanley, Goldman Sach जैसे बड़ी कम्पनिया उनके आकर्षण का केंद्र बनी। आज अंकित के इंटरव्यूज विदेशी मीडिया में भी पढ़े जा सकते है

कैसे बने अंकित शेयर बाजार के किंग पिन

शुरूवात में अंकित को काफी कठिनाइयों का समाना करना पड़ा,लेकिन कुछ समय बाद अंकित ने जिन शेयर की भविष्वाणी की वो लगातार सारे रिकॉर्ड तोड़ते चले गए जिससे उनकी आय (नेट वर्थ) में काफी उछाल आ गया और उसके बाद अंकित ने पीछे मूड कर नहीं देखा और लगातार सारे रिकॉर्ड तोड़ते चले गए।

रिकॉर्ड तोड़ है अंकित की कमाई

अंकित की कमाई आपके होश उड़ा सकती है, भारत सरकार के मुताबिक उन्होंने एक महीने में 8 लाख रूपए की राशि का टैक्स चूका कर, इन्वेस्टमेंट की दुनिया में खलबली मचा दिया। मामला अभी शांत ही हुआ था की फिरसे कुछ महीने बाद उन्होंने एक महीने में 14 लाख रूपए टैक्स भरकर सनसनी मचा दिया।

रिकॉर्ड तोड़ टैक्स देने के बाद सारी देश की मीडिया की नजरे उनपे पड़ी और बड़े नेशनल चैनल जैसे Zee business, Outlook, Money Control, etc उन तक उनका इंटरव्यू लेने पहुंचने लगे। आज अंकित राज्य के सबसे अधिक कर दाताओ में है और एक मिसाल है उनके लिए जो छोटे शहरो से आते है।

देश में सारे रिकॉर्ड तोड़ रहा है अंकित का पोर्टफोलियो

अंकित अपने खास शेयर में निवेश करते है जिन्हे वह अंकित मोटस पोर्टफोलियो कहते है, सिर्फ 2 सालो में उनके पोर्टफोलियो ने 250% तक का मुनाफा दिया है और देश का सबसे चहिते पोर्टफोलियो में से एक बन चूका है।

आप भी बन सकते एक सफल निवेशक

अंकित की कामयाबी एक मिसाल स्वरूप है, उनके लिए जो बहुत ही छोटे शहरों से आते है लेकिन जीवन में कुछ बड़ा करना चाहते है। आज छोटे सेहर से निकले अंकित शेयर बाजार में बड़ा नाम बना चुके है। सफलता पाने के लिए सफलता ही नहीं, मेहनत और दृष्टिकोण की आवश्यकता है, बाकि सितारा तो अपने आप ही बुलंद हो जाता है चाहे वो किसी भी कोने में क्यों न हो उसकी चमक हर जगह देखि जाती है।

अंकित बन सकते है शेयर मार्केट के अगले बिग बुल

उनकी सफलताओं के कारण कुछ लोग उन्हें शेयर बाजार का बिग बुल तो कुछ लोग उन्हें अगला वारेन बुफे कहते है, जो भी हो ये तो समय ही बताएगा, लेकिन आने वाले समय में अंकित कुछ बड़ा धमाका कर सकते है!

उद्यानिकी फसलों की खेती के लिए कृषकों को प्रोत्साहित करें: मंत्री चौबे

कृषि एवं जल संसाधन मंत्री रविन्द्र चौबे ने इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय परिसर लभांडी (जोरा) में छत्तीसगढ़ राज्य शाकम्भरी बोर्ड के कार्यालय का फीता काट कर विधिवत शुभारंभ किया।

मंत्री चौबे ने कहा कि छेरछेरा पर्व और शाकम्भरी जयंती का छत्तीसगढ़ के जन-जीवन में विशेष महत्व है। यह समृद्ध दानशीलता और सामाजिक समरसता का पर्व है। दान देने और ग्रहण करने का यह पर्व छोटे-बड़े के भेदभाव और अहंकार की भावना को समाप्त करता है। उन्होंने कहा कि मां शाकम्भरी का श्रृगांर सब्जी-भाजी से करके पूजा-अर्चना की जाती है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने छेरछेरा शाकम्भरी जयंती के अवसर पर राज्य में छुट्टी की घोषणा की है। छत्तीसगढ़ में सब्जी-भाजी की खेती करने वाले किसानों को प्रोत्साहन और शासन की योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए शाकम्भरी बोर्ड का गठन किया गया है। अध्यक्ष रामकुमार पटेल सहित चार सदस्यों की नियुक्ति भी की गई है। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य राज्य में साग-सब्जी, फल-फूल और मसाले की खेती को बढ़ावा देना तथा किसानों की माली हालत को बेहतर बनाना है। उन्होंने कहा कि सब्जी और फल का उत्पादन

बढ़ने से सुपोषण बढ़ावा मिलेगा।

मंत्री चौबे ने आगे कहा कि मुख्यमंत्री की मंशा राज्य में उद्यानिकी फसलों की खेती को बढ़ावा देना है। उन्होंने शाकम्भरी बोर्ड के पदाधिकारियों से अपील की कि वह मुख्यमंत्री की मंशा को पूरा करने के लिए पूरे मनोयोग से जुट जाए। किसानों को उद्यानिकी खेती के लिए प्रेरित और प्रोत्साहित करें और उन्हें विभागीय योजनाओं से लाभान्वित करें। मंत्री श्री चौबे ने उद्यानिकी विभाग द्वारा संचालित नदी-कछार योजना के माध्यम से किसानों को साग-सब्जी की खेती से जोड़ने की अपील की। उन्होंने कहा कि क्लस्टर में उद्यानिकी फसलों की खेती को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। राज्य के अलग-अलग क्षत्रों में वहां के मौसम, जलवायु एवं मिट्टी के आधार पर उद्यानिकी की फसलों की खेती करना ज्यादा लाभप्रद होगा। मंत्री श्री चौबे ने कहा कि बीते तीन सालों में राज्य सरकार के प्रयासों से उद्यानिकी फसलों रकबा और उत्पादन बढ़ा है। सुराजी गांव योजना से बाड़ी कार्यक्रम के तहत राज्य में लगभग 2 लाख बाड़ियां विकसित हुई हैं।

शाकम्भरी बोर्ड के अध्यक्ष रामकुमार पटेल ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की किसान हितैषी नीतियों के चलते राज्य में अनाज की खेती के साथ-साथ उद्यानिकी की खेती को प्रोत्साहन मिला है। राजीव गांधी किसान न्याय योजना में उद्यानिकी फसलों को शामिल करने तथा फल, फूल, सब्जी और मसाले की खेती करने वाले किसानों को प्रति एकड़ 9 हजार रूपए की इनपुट सब्सिडी दिए जाने के निर्णय के लिए उन्होंने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का आभार जताया। अध्यक्ष पटेल ने कहा कि शाकम्भरी बोर्ड का गठन और मां शाकम्भरी जयंती के लिए अवकाश घोषित कर मुख्यमंत्री ने मरार-पटेल समाज का मान बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि इनपुट सब्सिडी दिए जाने के राज्य सरकार के फैसले से उद्यानिकी फसलों को बढ़ावा मिल रहा है। उन्होंने कहा कि सुराजी गांव योजना से बाड़ी विकास कार्यक्रम के अंतर्गत राज्य के सभी विकासखण्डों में ग्रामीणों एवं किसानों के यहां कुल 2,00,013 बाड़ियां विकसित की गई है और ग्रामीण किसान यहां सब्जी-भाजी और फल-फूल उपजा रहे हैं। राज्य के गौठानों में भी सब्जी एवं फल के उत्पादन के लिए 990 सामुदायिक बाड़ियां स्थापित की गई है। राज्य में उद्यानिकी फसलों तथा फल, सब्जी, मसाला, पुष्प, औषधि एवं सुगंधित का कुल रकबा अब बढ़कर 8,61,603 हेक्टेयर एवं उत्पादन 1,04,28,053 मीटरिक टन हो गया है। उद्यानिकी के रकबे में 327 प्रतिशत एवं उत्पादन में 494 प्रतिशत वृद्धि हुई है। राष्ट्रीय स्तर पर छत्तीसगढ़ राज्य उद्यानिकी फसलों के उत्पादन में 12वें स्थान पर है।

इससे पूर्व मंत्री रविन्द्र चौबे, शाकम्भरी बोर्ड के अध्यक्ष रामकुमार पटेल सहित सभी पदाधिकारियों ने मां शाकम्भरी की पूजा-अर्चना की और हवन-पूजन में शामिल हुए। कार्यक्रम के प्रारंभ में मंत्री रविन्द्र चौबे सहित अतिथियों का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। शाकम्भरी बोर्ड के अध्यक्ष एवं सदस्यगणों ने इस मौके पर मंत्री रविन्द्र चौबे को शॉल एवं मां शाकम्भरी का चित्र भेंटकर सम्मानित किया।

इस अवसर पर उन्होंने शाकम्भरी बोर्ड के अध्यक्ष रामकुमार पटेल, सदस्य दुखवाराम पटेल, अनुराग पटेल, हरि पटेल, पवन पटेल, उद्यानिकी संचालक माथेश्वरन वी., बोर्ड के सचिव नारायण सिंह लावत्रे सहित उपस्थित लोगों को मां शाकम्भरी जयंती की बधाई और शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, कृषि विज्ञान केन्द्र एवं उद्यानिकी विभाग के अधिकारी-कर्मचारी और मरार-पटेल समाज के पदाधिकारी व बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

मंत्री ने की बस्तर में संचालित विकास कार्यों की समीक्षा

कोरोना से जागरूकता के जनप्रतिनिधि आगे आएः उद्योग मंत्री

उद्योग मंत्री एवं बस्तर जिले के प्रभारी मंत्री कवासी लखमा ने जगदलपुर कलेक्ट्रेट के प्रेरणा कक्ष में बस्तर में संचालित विकास कार्यों की समीक्षा की। बैठक में उन्होंने कोरोना की एक और लहर को देखते हुए सभी सुरक्षात्मक उपाए लागू करने के साथ ही शासन-प्रशासन एवं जनप्रतिनिधियों को भी लोगों को जागरुक करने के लिए आगे आने की अपील की।

इस अवसर पर सांसद दीपक बैज, बस्तर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष लखेश्वर बघेल, संसदीय सचिव रेखचंद जैन, हस्तशिल्प विकास बोर्ड के अध्यक्ष चंदन कश्यप, चित्रकोट विधायक राजमन बेंजाम, महापौर सफीरा साहू, नगर निगम सभापति कविता साहू मौजूद थे।

उद्योग मंत्री लखमा ने कोरोना के बढ़ते हुए मामलों को देखते हुए अस्पताल और कोविड केयर सेंटर में सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक तैयारी सुनिश्चित रखने के निर्देश दिए। मंत्री ने धान खरीदी की समीक्षा करते हुए मौसम में बार-बार आ रहे बदलाव को देखते हुए खरीदे गए धान की सुरक्षा के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित रखने के निर्देश दिए। उन्होंने बारिश की स्थिति में धान की सुरक्षा के लिए तिरपाल तथा पानी की निकासी के लिए ड्रेनेज की व्यवस्था सुनिश्चित रखने के साथ ही धान के उठाव में तेजी लाने के निर्देश भी दिए। उन्होंने धान खरीदी को सुचारू रखने के लिए भी सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित रखने के निर्देश दिए।

प्रभारी मंत्री ने इसके साथ ही नरवा, गरुआ, घुरवा बाड़ी सहित मनरेगा संचालित कार्यों की समीक्षा करते हुए कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। नरवा कार्यक्रम के तहत किए गए कार्यों का अवलोकन जनप्रतिनिधियों के माध्यम से कराने तथा वर्मी कम्पोस्ट के उत्पादन बढ़ाने की दिशा में भी कार्य करने के निर्देश दिए, जिससे तेजी से बढ़ रही मांग के अनुसार आपूर्ति की जा सके। उन्होंने जल जीवन मिशन अंतर्गत कार्यों को समय सीमा में पूर्ण करने के लिए पूरी गति के साथ कार्य करने के साथ ही गुणवत्ता के साथ किसी भी प्रकार का समझौता नहीं करने के निर्देश दिए। जहां कार्य की गति धीमी है, वहां तेजी लाने के लिए सभी प्रयास किए जाएं। मंत्री ने आंगनबाड़ी भवनों का निर्माण शीघ्र पूर्ण करने के साथ ही नगरीय क्षेत्रों में भवनों के निर्माण के लिए भूमि के चिन्हांकन के निर्देश दिए। उन्होंने मुख्यमंत्री सुपोषण योजना के तहत जिले में संचालित स्वसहायता समूहों के माध्यम से अंडा और केला की आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मंत्री ने इसके साथ ही समीक्षा बैठक में जल संसाधन, शिक्षा, आदिम जाति कल्याण विभाग, प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क, लोक निर्माण विभाग, राष्ट्रीय राजमार्ग, विद्युत विभाग, हाउसिंग बोर्ड, नगर निगम, सहित अन्य विभागों द्वारा संचालित कार्यों की समीक्षा की। बैठक में कलेक्टर रजत बंसल, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र मीणा, वन मंडलाधिकारी स्टायलो मंडावी, जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी ऋचा प्रकाश चौधरी सहित जनप्रतिनिधि एवं अधिकारीगण उपस्थित थे।

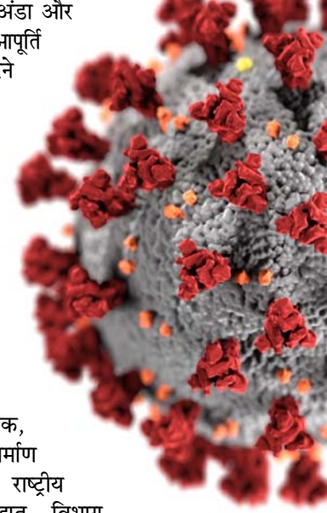

अंग्रेजी में कमजोर ये लड़की कैसे बनी IAS?

किसी भी युवा के लिए कॉम्पिटिटिव एग्जाम क्लियर करना आसान नहीं होता है। इसके लिए उन्हें सालों की मेहनत के साथ कई त्याग भी करने पड़ते हैं। वहीं, अगर आप यूपीएससी सिविल सर्विसेज परीक्षा (UPSC Civil Services Exam) की तैयारी कर रहे हैं तो आपकी मेहनत और मुश्किल दोगुनी हो जाती है।

गांव में रहकर इस परीक्षा की तैयारी करना और इसको क्रैक करने की कल्पना करना भी मुश्किल है। लेकिन इन कल्पनाओं से एक कदम आगे बढ़कर ग्रामीण परिवेश की एक लड़की ने यूपीएससी परीक्षा को क्रैक कर इस परीक्षा के बारे में पहले से तय सभी मापदंड़ों को तोड़ दिया। इस लड़की ने अपनी मेहनत और लगन से इस बात को साबित कर दिया कि, अगर आप एक बार ठान लें, तो आप अपने सपने को साकार कर सकते हैं।

जानें सुरभि गौतम के बारे में

सतना (मध्य प्रदेश) के छोटे से गांव अमदरा में एक वकील-शिक्षिका दंपति के यहां सुरभि पैदा हुई। प्राथमिक शिक्षा के लिए परिवार के अन्य बच्चों की तरह सुरभि का दाखिला भी गांव के सरकारी स्कूल में हुआ। यह हिंदी माध्यम स्कूल था। सुरभि बचपन से ही पढ़ने में काफी तेज थी, लेकिन परिवार के ज्यादातर सदस्यों के लिए यह कोई खास बात नहीं थी। मध्य प्रदेश के स्कूलों में पांचवीं में भी बोर्ड परीक्षा होती है।

जब पांचवीं का परिणाम आया तो टीचर ने सुरभि को बुलाया और पीठ थपथपाते हुए कहा, आपको गणित में शत-प्रतिशत अंक मिले हैं। मैंने बोर्ड परीक्षा में आज तक किसी को सौ में सौ पाते नहीं देखा। आगे आप बहुत अच्छा करोगी। सुरभि के लिए ये जादुई शब्द थे, जो जिंदगी भर के लिए दिमाग में बस गए। इसके बाद सुरभि पढ़ाई के प्रति और गंभीर हो गईं। इसी बीच उनके जोड़ों में रह-रहकर दर्द उठने लगा था, पर वह उसे नजरअंदाज करती रहीं। धीरे-धीरे दर्द पूरे शरीर में फैल गया, और एक दिन वह बिस्तर से लग गईं।

रूमैटिक फीवर से करना पड़ा मुकाबला

सुरभि के शरीर में जब लगातार दर्द रहने लगा तो उनके माता-पिता सुरभि को लेकर जबलपुर गए। वहां विशेषज्ञ डॉक्टर ने कहा, सुरभि को रूमैटिक फीवर है। यह बीमारी ह्रदय को नुकसान पहुंचाती है और कुछ मामलों में मृत्यु भी हो जाती है। यह सुनकर माता-पिता स्तब्ध थे। डॉक्टर ने सुरभि को हर 15 दिन पर पेनिसिलिन का इंजेक्शन लगाने की सलाह दी। गांव में कुशल डॉक्टर था नहीं, इसलिए हर 15वें दिन पर सुरभि को जबलपुर जाना पड़ता। पर कमजोर सेहत, अभावों के बीच भी सुरभि ने अपनी पढ़ाई से मुंह नहीं मोडा।

इस दौरान सुरभि गौतम ने एक साथ कई मोर्चे पर अपनी लड़ाई लड़ी। सुरभि को दसवीं बोर्ड में गणित के साथ विज्ञान में भी शत-प्रतिशत अंक मिले। उन्हें राज्य के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों में गिना गया। उस समय अखबारों में जो खबर छपी उसमें लिखा गया कि सुरभि कलेक्टर बनना चाहती हैं, जबकि सुरभि के मन में उस समय तक ऐसा कोई ख्याल नहीं था। हालांकि इन खबरों के कारण उनका झुकाव यूपीएससी की तरफ हो गया।

सुरभि अपने सपनों में भी करती थीं अंग्रेजी में बात

इंग्लिश लैंग्वेज से परेशान सुरभि ने अपनी इंग्लिश सुधारने के लिए खुद से अंग्रेजी में बात करना शुरू कर दिया। सुरभि प्रतिदिन कम से कम 10 वर्ड मीनिंग याद करती थी। सुरभि दीवारों पर वर्ड मीनिंग लिखती थी और उसे दिन में कई बार दोहराया करती थी। कहीं से भी सुने गए फ्रेज और शब्दों को वह याद करती और अपनी अंग्रेजी इम्प्रूव करने के लिए काम करती थी। सुरभि ने अंग्रेजी में सपने देखने शुरू कर दिए। उनके सपने में सब अंग्रेजी में बात किया करते थे। इस दौरान उनके दिमाग में इंग्लिश ने ऐसा असर किया कि वो खुद से इंग्लिश में ही बात करने लगी।

इसका असर यह रहा कि सुरभि ने अपने ग्रेजुएशन के फर्स्ट सेमेस्टर में टॉप किया और इसके लिए उन्हें कॉलेज चांसलर अवार्ड भी दिया गया। उन्होंने खुद पर मेहनत करने के दौरान खुद को बाहरी लालच से दूर रखा। उनके दिमाग में हमेशा ये बात रहती थी कि उन्हें अपने सपने पूरे करने हैं। इस दौरान वह अपने अन्य फ्रेंड्स की तरह मूवी देखने या घूमने नहीं जाया करती थीं। पूरा समय अपनी पढ़ाई को दिया और मन बनाया कि कुछ बनने के बाद ही वह घूमना-फिरना करेंगी।

स्कूल से कॉलेज पहुंचने पर इंग्लिश बनी सबसे बड़ी मुश्किल

12वीं में भी अच्छे मार्क्स आने के बाद उन्होंने एक स्टेट इंजीनियरिंग एंट्रेंस परीक्षा क्लियर की और भोपाल के एक इंजीनियरिंग कॉलेज से इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन्स में एडमिशन लिया। सरकारी स्कूल में पढ़ाई के दौरान वह अपने स्कूल की सबसे बेस्ट स्टूडेंट थीं। सुरभि जब स्कूल से निकलकर कॉलेज पहुंची तो वहां उनकी दुनिया बिल्कुल बदली हुई थी। वह एक हिंदी मीडियम की छात्रा रही थीं और यहां आने वाले ज्यादातर बच्चे इंग्लिश मीडियम से थे।
ऐसे में वहां जाकर शुरूआत में वह हीन भावना की शिकार हो गईं। कल तक जो लड़की अपने स्कूल में पहली सीट पर बैठती थी। अब वह पीछे बैठने लगी थी। उसे इस बात का बुरा लग रहा था कि, कोई उस पर ध्यान भी नहीं देता। लेकिन सुरभि ने अपनी हीन-भावना से निकलकर खुद को एक बार फिर स्थापित करने का ठाना। उन्होंने अपनी इंग्लिश पर काम करना शुरू किया।

सुरभि ने सभी परीक्षाओं को किया क्रैक

कॉलेज में प्लेसमेंट के दौरान सुरभि को टीसीएस कंपनी में जॉब मिल गई, लेकिन उन्होंने ज्वाइन नहीं किया। इसके बाद उन्होंने लगातार इअफ्ठ, क्स्फ्ङ, ऋृठए, रअक्छ, टढढरउ, ररउ, ऋछक और दिल्ली पुलिस जैसे कई प्रतियोगी परीक्षाओं में भाग लिया और सभी को क्रैक कर लिया। वहीं साल 2013 में सुरभि ने आईईएस की परीक्षा भी पास कर ली। इसमें उनकी ऑल इंडिया फर्स्ट रैंक आई। लेकिन सुरभि ने अपना लक्ष्य आईएएस बनना तय कर रखा था। इसलिए, उन्होंने अपनी तैयारी जारी रखी और वर्ष 2016 में देश का सबसे कठिन माने जाने वाले यूपीएससी परीक्षा में सुरभि ने अपने पहले प्रयास में 50वीं रैंक हासिल कर ली। इस परीक्षा की तैयारी कर रहे उम्मीदवारों को जागरूक करते हुए सुरभि कहती हैं कि कोई भाषा दीवार नहीं होती, ठान लीजिए तो वह आपके अधिकार में होगी।

विकास मॉडल को राहुल गांधी ने सराहा

लोकसभा सांसद राहुल गांधी ने राजधानी रायपुर के साईंस कॉलेज मैदान में छत्तीसगढ़ को कई ऐतिहासिक सौगातें दी। सांसद राहुल गांधी ने राज्य शासन की महत्वाकांक्षी ह्यराजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजनाह्न और ह्यराजीव युवा मितान क्लब योजनाह्न का शुभारंभ किया। सांसद राहुल गांधी, मुख्यमंत्री भूपेश बघेल सहित अन्य गणमान्य अतिथियों और हजारों की संख्या में लोगों की मौजूदगी में भूमिहीन श्रमिक रामकुमार निषाद दुर्ग, खुजी मौर्य बस्तर, सोना नेताम बलौदाबाजार-भाटापारा, मसियस तिर्की बलरामपुर-रामानुजगंज ने महात्मा गांधी की स्मृतियों को संजोने के लिए नवा रायपुर में ह्यसेवाग्रामह्न और देश के लिए प्राण न्यौछावर करने वाले शहीदों की याद में ह्यछत्तीसगढ़ अमर जवान ज्योतिह्न की आधारशिला रखी।

सांसद राहुल गांधी ने इस अवसर पर वर्तमान समय में देश के समक्ष विद्यमान चुनौतियों का उल्लेख करते हुए कहा कि यह देश एक गुलदस्ता जैसा है। देश में अलग-अलग विचारधाराएं हैं। छत्तीसगढ़ की जो भाषा, संस्कृति और जीवनशैली है, वह दूसरे प्रदेशों की नहीं हो सकती है। छत्तीसगढ़ के लोगों को कैसे जीवन जीना चाहिए, आदिवासियों का जंगल और खेत से क्या रिश्ता होना चाहिए, यह अन्य क्षेत्रों के लोग नहीं बता सकते। इसी तरह अन्य राज्यों की भी संस्कृति, भाषा, इतिहास एवं जीवनशैली है। हिन्दुस्तान विभिन्न विचारधाराओं, संस्कृति, भाषा एवं जीवनशैली के लोगों का ऐसा गुलदस्ता है, जहां प्यार है, भाई-चारे की भावना है। यही हमारा देश है, इसी को हिन्दुस्तान कहते हैं। उन्होंने कहा कि देश भक्ति का मतलब देश को मजबूत करना और गरीबों की मदद करना है।

सांसद राहुल गांधी ने आगे कहा कि हमने छत्तीसगढ़ की जनता से जो वायदा किया था, वह पूरा करके दिखाया है। किसानों के साथ हमारे प्यारे मजदूर भाई भी काम करते हैं। हमने कहा था कि हमें छत्तीसगढ़ के गरीब मजदूर भाईयों की मदद करनी होगी। आज राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना के माध्यम से यह काम भी हम पूरा करने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह पहला कदम है, इस योजना के माध्यम से हम आपका पैसा आपको ही वापस दे रहे हैं। सांसद श्री राहुल गांधी ने कहा कि किसानों को राजीव गांधी किसान न्याय योजना के तहत जो इनपुट सब्सिडी की राशि छत्तीसगढ़ सरकार ने दी है। इससे हमारे किसान-भाईयों ने फसल उत्पादकता में बढ़ोत्तरी की है। छत्तीसगढ़ के हर किसान भाई को उसकी मेहनत का मान दिया है।

सांसद श्री राहुल गांधी ने कहा कि आज देश ने जो तरक्की की है। यह किसी दल यह पार्टी की देन नहीं है, बल्कि देश के किसानों, मजदूरों, कारीगरों, छोटे उद्यमियों और व्यवसायियों की मेहनत का परिणाम है। करोड़ों लोगों ने अपना खून-पसीना देकर देश को बनाया है। आज इन्हीं मेहनतकश लोगों को परे किया जा रहा है। लोग रोजी-रोजगार के लिए भटके, जीवन-यापन के लिए परेशान हो, हम ऐसा नहीं होने देंगे। उन्होंने छत्तीसगढ़ राज्य में किसानों और मेहनतकश लोगों के हित में संचालित योजनाओं की सराहना की और कहा कि राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना से 3 लाख 55 हजार मजदूर भाई-बहनों को सीधा फायदा होगा। उन्हें राहत मिलेगी। उनके कंधों का बोझ हल्का होगा।

सांसद राहुल गांधी से मंच पर पहुंचते ही कार्यक्रम स्थल पर हजारों लोगों ने तालियों की गड़गड़ाहट के बीच उनका जोरदार स्वागत किया। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल एवं विधानसभा अध्यक्ष डॉ. चरण दास महंत ने राजकीय गमछा पहनाकर सांसद राहुल गांधी का स्वागत

हिन्दुस्तान अलग-अलग विचारधाराओं का एक गुलदस्ता है: राहुल गांधी

राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजनाह्न का किया शुभारंभ

3.55 लाख भूमिहीन परिवारों के खाते में अंतरित की पहली किश्त की राशि

राजीव युवा मितान क्लब योजना का किया शुभारंभ

अभिनंदन किया। सांसद राहुल गांधी ने इस अवसर पर छत्तीसगढ़ सरकार की तीन साल की उपलब्धियों पर प्रकाशित कॉफी-टेबल बुक ह्यह्यजो कहा-सो कियाह्नह्न का विमोचन भी किया। उन्होंने राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना के हितग्राहियों एवं राजीव युवा मितान क्लब पदाधिकारियों को अनुदान राशि का चेक भेंट कर उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी। राहुल गांधी ने इस मौके पर उक्त दोनों योजनाओं की राशि हितग्राहियों के खाते में ऑनलाईन अंतरित की।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इस मौके पर अपने उद्बोधन में कहा कि आज का दिन छत्तीसगढ़ के लिए बहुत बड़ा दिन है। छत्तीसगढ़ राज्य को, कल्याणकारी राज्य बनाने की दिशा में एक कदम हमने और आगे बढ़ा लिया है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी जी ने एक वर्ष पूर्व भूमिहीन मजदूरों की स्थिति को लेकर जो चिंता जताई गई थी, वह आज दूर हो गई है।

राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना का शुभारंभ कर उन्होंने राज्य के साढ़े तीन लाख से अधिक भूमिहीन परिवारों के बैंक खाते में राशि अंतरित की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भूमिहीन मजदूरों को मदद पहुंचाने का यह देश में पहला उदाहरण है। योजना के माध्यम से खेत में काम करने वाले भूमिहीन मजदूरों, चरवाहों, नाई, धोबी, पुजारी, पुरोहित एवं पौनी-पसारी का काम करने वाले परिवारों को हर साल छह हजार रूपए राशि मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सांसद राहुल गांधी हमेशा कहते हैं कि आज जनता की जेब में पैसा जाना चाहिए। हर वर्ग के लोगों को यह लगना चाहिए कि छत्तीसगढ़ की सरकार उनकी अपनी सरकार है। मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता हो रही है कि बीते तीन वर्षों में हमने छत्तीसगढ़ के किसानों मजदूरों, संग्राहकों सहित अन्य वर्ग के लोगों की जेब में 91 हजार करोड़ रूपए पहुंचाया है।

मुख्यमंत्री ने इस मौके पर किसानों की कर्ज माफी, सिंचाई कर की माफी, राजीव गांधी किसान न्याय योजना, धान खरीदी, गोधन न्याय योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि इसके जरिए छत्तीसगढ़ के लोगों की जेब में लगातार पैसा जा रहा है। यही वजह है कि कोरोना संक्रमण काल में जब पूरे देश में मंदी रही छत्तीसगढ़ इससे अछूता रहा। मुख्यमंत्री ने गोधन न्याय योजना की सफलता का विस्तार से उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में देश का 74 प्रतिशत लघु वनोपज संग्रहित होता है। इसका वैल्यू एडिशन कर हम संग्राहकों की आमदनी को बढ़ाने का काम कर रहे हैं। उन्होंने छत्तीसगढ़ चाय और कॉफी के उत्पादन को बढ़ावा देने तथा लोगों को रोजी-रोजगार से जोड़ने के प्रयासों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि दंतेवाड़ा की महिलाओं द्वारा तैयार किए जा रहे डेनेक्स ब्रांड के गॉरमेंट आज हिन्दुस्तान के कोने-कोने में बिक रहे हैं। बस्तर के तिखूर का शेक ताईवान जा रहा है। उन्होंने कहा कि बीते तीन सालों में राज्य में लाखों लोगों को शासकीय नौकरी और रोजगार से जोड़ने का काम किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नवा रायपुर में बनने वाला ह्लसेवाग्रामह्व गांधी जी और गांधीवाद को समझने, महसूस करने, सीखने और याद रखने के लिये आधुनिक भारत के एक तीर्थ के रूप में विकसित किया जायेगा। जैसे वर्धा का सेवाग्राम आश्रम गांधी जी के विचार, चिंतन, दर्शन और गांधीवाद के केंद्र में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर रहा है, वैसा ही नवा रायपुर सेवाग्राम एक उत्कृष्ट गांधीवादी केंद्र बनेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ में नई दिल्ली इंडिया गेट की तर्ज पर ह्लछत्तीसगढ़ अमर जवान ज्योतिह्व की स्थापना का निर्णय लिया गया है। छत्तीसगढ़ के जिन सपूतों ने वर्दीधारी सेवाओं में जाकर देश के लिये प्राण न्यौछावर किये, साथ ही छत्तीसगढ़ में देश भर के जिन वीरों ने अपने प्राणों की आहुति दे दी, उनकी शहादत का सम्मान हम ह्लछत्तीसगढ़ अमर जवान ज्योतिह्व के माध्यम से करेंगे, जिसे हम माना रायपुर के चौथी वाहिनी छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल के परिसर में बनाने जा रहे हैं। हम सभी के लिये बहुत ही गर्व की बात है कि नई दिल्ली के अमर जवान ज्योति को श्रीमती इंदिरा गांधी जी ने प्रज्ज्वलित किया था और छत्तीसगढ़ अमर जवान ज्योति का भूमिपूजन आज श्री राहुल गांधी जी ने किया है। उन्होंने कहा कि राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना, नवा रायपुर में स्थापित होने वाले सेवाग्राम और छत्तीसगढ़ अमर जवान ज्योति की स्थापना देश को एक नई प्रेरणा देगी।

सासंद राहुल गांधी ने विकास प्रदर्शनी स्थल में कलागुड़ी का अवलोकन किया। उन्होंने ढोकरा (बेल मेटल), रॉट आयरन, तुम्बा, शिशल, काष्ट, बांस आदि प्राचीन कलाओं के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए बस्तर जिले में विकसित कलागुड़ी को बस्तर आर्ट के विकास के लिए उल्लेखनीय बताया। सांसद श्री गांधी के पूछने पर बताया गया कि कलागुड़ी से अब तक इससे 500 से भी अधिक कारीगरों के परिवार लाभांवित हो रहे हैं। इन परिवारों को लगभग 2 लाख रुपए से अधिक आय हो रही है। बीजापुर जिले में बांस शिल्पकला एवं फर्नीचर निर्माण में लगी महिलाएं अब बांस उत्पाद निर्मित कर उन्हें अन्य प्रदेशों के बाजारों में क्रय उपलब्ध कर रही हैं। दैनिक आजिविका के साथ अतिरिक्त मासिक आमदनी 2500 से 3000 रुपए आय अर्जित कर रही हैं।

अंतिम छोर तक विकास का लाभ पहुंचाना हमारा मुख्य ध्येय : वन मंत्री

राज्य के समस्त प्राथमिक लघु वनोपज सहकारी समितियों में अब कोदो, कुटकी तथा रागी का क्रय

अकबर ने बोड़ला जनपद पंचायत के छह ग्राम पंचायतों में 1.59 करोड़ रूपए की राशि के 28 सड़क निर्माण कार्यों का किया भूमिपूजन

वन, परिवहन, आवास एवं पर्यावरण मंत्री तथा कवर्धा विधायक मोहम्मद अकबर ने अपने विधानसभा क्षेत्र के आदिवासी एवं बैगा बहुल बोड़ला विकासखंड के वनांचल गांवों को विकास के मुख्यधारा से जोड़ते हुए अलग-अलग 34 कार्यों के लिए 2 करोड़ 8 लाख रुपए की सौगात दी है। जिसमे आज उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जनपद पंचायत बोड़ला अंतर्गत छह ग्राम पंचायतों में लगभग एक करोड़ 59 लाख रूपए की लागत से बनने वाले 28 सड़क निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया।

मुख्यमंत्री सुगम सड़क योजना के तहत हुए आज भूमिपूजन किए गए कार्यों में से कवर्धा विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत बोड़ला विकासखंड के ग्राम पंचायत पीपरखुंटा में कुल 4 कार्य लागत 16.13 लाख रूपए, ग्राम पंचायत चेंदरादादर में कुल 6 कार्य लागत 22.15 लाख रूपए, ग्राम पंचायत दलदली में कुल 08 कार्य लागत 81.90 लाख रूपए, ग्राम पंचायत लरबक्की में कुल 5 कार्य लागत 17.21 लाख रूपए, ग्राम पंचायत लब्दा में कुल 01 कार्य लागत 12.53 लाख रूपए, ग्राम पंचायत आमानारा में कुल 4 कार्य लागत 8.95 लाख रूपए के कार्य शामिल है।

वन मंत्री मोहम्मद अकबर ने भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में हमारी सरकार द्वारा प्रदेश के अंतिम छोर तक विकास का लाभ पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। इसके तहत दूरस्थ वनांचल स्थित गांव-गांव को विकास की मुख्यधारा से जोड़ा जा रहा है। उन्होंने कहा कि बोड़ला विकासखंड के ग्राम पंचायत पीपरखुंटा, चेंदरादादर, दलदली, लरबक्की, लब्दा, आमानारा के वनांचल क्षेत्रों में अलग-अलग 28 सड़कों के निर्माण होने से जिले के वनांचल क्षेत्रों में निवासरत बरसों से उपेक्षित बैगा, आदिवासी परिवारों को आवागमन की अच्छी सुविधा मिलेगी। उन्होनें कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार वनांचल में रहने वाले वनवासी, आदिवासी, विशेष पिछड़ी बैगा जनजाति के लोगों को विकास के मुख्यधारा में जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है।

वन मंत्री अकबर ने बताया कि छत्तीसगढ़ में वर्तमान सरकार के बनते ही मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रदेश के वनांचल में रहने वाले लाखों परिवारों के हित में ठोस फैसला लेते हुए 7 प्रकार के लघु वनोपज के स्थान पर 52 प्रकार के लघु वनोपज खरीदी करने का फैसला लिया। इसी प्रकार महुआ का दर 17 रूपए से बढाकर 30 रूपए किया गया है। तेंदूपत्ता प्रतिमानक बोरा 2500 से बढ़ाकर 4 हजार रूपए किया गया है। इसी प्रकार साल बीज, हर्रा, चिरौंजी, गुठली, जामुनबीज, बेलगुदा, धनईफुल, कुसमी, लाख, गिलोय, चरोटा बीज, वन तुलसी, करंज बीज सहित 52 प्रकार के लघु वनोपज की खरीदी अब प्रदेश में हो रही है। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा समर्थन मूल्य पर वनोपज की खरीदी होने पर वनांचल में रहने वाले लाखों परिवारों को इसका सीधा लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा है कि वनांचल में रहने वाले लोगों को खेती किसानी से जोड़ने के लिए अनेक कार्य योजना बनाई गई है। अब छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा कोदा-कुटकी और रागी का भी समर्थन मूल्य पर समस्त प्राथमिक लघु वनोपज सहकारी समिति के माध्यम से खरीदी की जा रही है।

वन मंत्री अकबर ने वीडियो कांन्फ्रेसिंग में उपस्थित जनप्रतिनिधियों से और वनांचल के लोगों तथा पीताम्बर वर्मा आदि से सीधा संवाद कर उनका हाल-चाल भी जाना। कार्यक्रम में बोड़ला जनपद अध्यक्ष अमीता प्रभाती मरकाम, जिला पंचायत सदस्य मुखीराम मरकाम, जनपद सदस्य नरबदिया बाई मेरावी, रजवंतिन बाई ध्रुर्वे, राजेश मेरावी, सरपंच ग्राम पंचायत पीपरखुंटा प्रभा यादव, सरपंच ग्राम पंचायत चेदरादादर बहादुर सिंह कुंजाम, सरपंच ग्राम पंचायत दलदली हीरामणी ग्वाला, उपसरपंच ग्राम पंचायत लरबक्की सोनबती बाई ध्रुर्वे, सरपंच ग्राम लब्दा मदन सिंह, सरपंच ग्राम पंचायत आमानारा के सरपंच पार्वती टेकाम सहित अन्य जनप्रतिनिधि विशेष रूप से उपस्थित थे।

चन्नी होंगे सीएम चेहरा

लंबी जद्दोजहद के बाद चरणजीत सिंह चन्नी को कांग्रेस ने पंजाब में सीएम कैंडिडेट घोषित कर दिया। चन्नी के नाम का ऐलान कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने लुधियाना की रैली में किया। हालांकि इससे पहले सीएम चेहरे को लेकर कांग्रेस में पेंच फंसा रहा। रैली से पहले दो घंटे तक मंथन चलता रहा। जब तब सिद्धू की नाराजगी की खबरें भी आती रहीं। सिद्धू के इस्तीफे की भी चर्चा बनी रही। चुनाव में किसी तरह के नुकसान से बचने के लिए कांग्रेस ने ये कदम उठाया है। पंजाब में विधानसभा चुनाव के लिए 20 फरवरी को वोटिंग होनी है। पिछली बार, यानी 2017 के चुनाव में भी राहुल गांधी ने वोटिंग से ठीक 10 दिन पहले ही कैप्टन अमरिंदर सिंह के नाम की घोषणा सीएम चेहरे के तौर पर की थी। वहीं, इस बार भी कुछ दिन पहले राहुल गांधी पंजाब के दौरे पर गए थे।

चन्नी को तरजीह, तभी दो सीटों से लड़ रहे चुनाव

हाल के दिनों में देखा जा रहा है कि पार्टी सीएम चन्नी को खास तवज्जो देकर आगे बढ़ा रही है। यही वजह है कि चन्नी को उनकी परंपरागत सीट श्रीचमकौर साहिब के अलावा भदौड़ से भी चुनाव लड़ाया जा रहा है। वहीं, सिद्धू सिर्फ अमृतसर ईस्ट से ही चुनाव लड़ रहे हैं। वहां उनका मुकाबला सबसे रोचक होने जा रहा है, क्योंकि सिद्धू के सामने उनके सियासी विरोधी अकाली दल के नेता बिक्रम मजीठिया हैं।हमारे सोर्सेज का कहना है कि चन्नी के 100 दिन के काम को पार्टी ने आधार बनाया है। चन्नी के काम से कांग्रेस की स्थिति पहले से बेहतर हुई है। इधर, सीएम फेस की घोषणा से पहले सिद्धू ने भी हथियार डाल दिए हैं। उन्होंने आज सुबह ट्वीट कर पार्टी के निर्णय के साथ होने का संकेत दिया।

मुझे दर्शनी घोड़ा न बनने देना

रैली में नवजोत सिद्धू ने कहा कि आज फैसले की घड़ी है। सिद्धू ने सीएम चेहरे पर दावा छोड़ते हुए सरेंडर कर दिया। सिद्धू ने कहा कि मुझे कोई लालसा नहीं है, लेकिन मुझे दर्शनी घोड़ा न बनने देना। मुझे फैसला लेने की ताकत देना। पंजाब के लिए रखी जा रही नींव का वह पहला पत्थर बनने के लिए तैयार हैं। सिद्धू ने कहा कि मैंने कभी किसी से कुछ नहीं मांगा। सिद्धू ने कहा कि अगर मुझे फैसले लेने की ताकत मिली तो पंजाब से माफिया खत्म कर दूंगा। मुझे सीएम चेहरा न बनाया तो जिसे बनाया जाएगा, उसके साथ कंधे से कंधा मिलाकर साथ देंगे। बीजेपी में वह 13 साल रहे, लेकिन उनसे सिर्फ कैंपेन कराई गई। कांग्रेस ने सिर्फ 4 साल में उन्हें पंजाब कांग्रेस का प्रधान बना दिया। सिद्धू ने कैप्टन अमरिंदर सिंह को भी खूब कोसा। सिद्धू ने चरणजीत चन्नी को पंजाब में दलित सीएम बनाने के लिए राहुल गांधी की तारीफ की।

महिलाओं की बढ़ रही आमदनी

बल्ब बनाकर घरों तक पहुंचाने लगी रोशनी

एलईडी बल्ब निर्माण के क्षेत्र में आने से गांव की महिलाओं का संवर रहा भविष्य

घरों में चूल्हां फूंकने और कभी माचिस से चिमनी जलाने वाली गांव की इन महिलाओं ने समय के साथ स्वरोजगार का वह जरिया अपनाया है, जो है तो तकनीकी, लेकिन अपने हाथों में हुनर सम्हालनें के बाद तकनीकी आधारित काम को न सिर्फ आसान बना दिया है, बल्कि एलईडी बल्ब निर्माण से जुड़कर भविष्य में आमदनी बढ़ाने की नई संभावनाएं भी बना ली है। कोरिया जिले के ग्राम छिंदिया में गौठान आजीविका के रूप में सूरज महिला ग्राम संगठन की महिलाओं ने एलईडी बल्ब निर्माण के कार्य को अपनाया है। इन महिलाओं ने महज एक महीने में ही 500 से ज्यादा बल्ब बनाकर अपनी आमदनी की नई संभावनाओं को विकसित किया है। जिले के गौठानों में विभिन्न आजीविका मूलक गतिविधियाँ संचालित की जा रही हैं, जिससे जुड़कर ग्रामीण महिलाएं आत्मनिर्भरता की राह में आगे बढ़ रही है।

इसी क्रम में गौठान ग्राम छिंदिया की 8-10 महिलाओं ने मिलकर लगभग एक महीने पहलेएलईडी बल्ब निर्माण का कार्य प्रारंभ किया था। इस समूह की सदस्य नीलम कुशवाहा ने बताया कि राष्ट्रीय आजीविका मिशन बिहान के तहत अधिकारियों से आर्थिक गतिविधियों की जानकारी मिली। कुछ नया कार्य करने की चाह से एलईडी बल्ब निर्माण कार्य का विचार आया। अधिकारियों के मार्गदर्शन में रायपुर से आए ट्रेनर के द्वारा 3 दिवस की ट्रेनिंग दी गई। एलईडी बल्ब निर्माण की पूरी प्रक्रिया बताई गई। महिलाओं ने बताया बल्ब के लिए कच्ची सामग्री रायपुर से मंगवाई जाती है। उनके द्वारा आवश्यक निर्माण कर प्रेसिंग मशीन से बल्ब की पैकिंग की जाती है। महिलाओं ने बताया कि सस्ते दाम पर गुणवत्तायुक्त बल्ब से लोगों को भी फायदा मिल रहा है। महिलाओं ने बताया बिहान बाजार में बल्ब की मांग बढ़ रही है। वे स्वयं बल्ब की मार्केटिंग एवं प्रचार-प्रसार का काम कर रही हैं। अभी केवल ग्रामीण स्तर पर बल्ब का विक्रय किया जा रहा है, आने वाले दिनों में वे बाजारों में भी बल्ब भेजने की तैयारी कर रही है। महिलाओं का कहना है कि समूह से जुड़ने से पहले अधिकांश महिलाएं घर के कामों में ही व्यस्त रहती थी, अब बल्ब निर्माण जैसे कार्यों में हाथ आजमाने के बाद उन्हें अपना भविष्य सुनहरा नजर आने लगा है।

एक माह में 550 बल्ब निर्माण कर 150 बल्ब बेचे

इन महिलाओं ने मात्र एक माह में ही 500 बल्ब का निर्माण किया गया, जिसमें से लगभग 150 बल्ब के विक्रय से 6 हजार से अधिक आमदनी हुई। इनके द्वारा 15 वॉट का एलईडी बल्ब 140 रुपए में बेचा जा रहा है जिसपर 1 वर्ष 6 माह की गारण्टी भी दिया जा रहा है। इसी तरह 12 वॉट के बल्ब को 120 रुपए में 1 वर्ष की गारण्टी के साथ, 9 वॉट के बल्ब को 60 रुपए में 6 माह की गारण्टी के साथ एवं 5 वॉट के गारण्टी रहित बल्ब को 30 रुपए में बेचा जा रहा है।

बजट में महिलाओं की उपेक्षा

फूलो देवी नेताम

बजट में बेलगाम महंगाई का उल्लेख तक नहीं

गरीबों और किसानों के उत्थान की कोई योजना नहीं .

राज्यसभा सांसद एवं महिला कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष फूलों देवी नेताम ने बजट को बेहद दिशाहीन और उद्देश्यविहीन बताते हुए कहा कि इसमें रोजगार बढ़ाने, किसानों तथा गरीबों के उत्थान की कोई योजना नहीं है. निराशा भरा रहा बजट से किसानों को ढट किसान निधि में इजाफे की उम्म्मीद थी लेकिन उन्हें निराशा हाथ लगी.

बजट में फसलों की खरीद टरढ दिए जाने का कोई ठोस आश्वासन नहीं दिया.सैलरीड क्लास को बहुत मायूस किया है,न टैक्स स्लैब में बदलाव किया और न ही टैक्स छूट के दायरे को ही बढ़ाया.महिलाओं को बहुत आशा था कि महंगाई से राहत के लिये कुछ घोषणा करेंगे लेकिन महंगाई से राहत दिलाने के लिये केन्द्र बजट में कुछ भी नहीं। 2014 से पहले महंगाई पर बड़े बड़े वादे करने वाले के बजट पर बेलगाम महंगाई पर एक शब्द नहीं। पेट्रोल डीजल में भी कोई एक्ससाइज ड्यूटी घटाने का बजट में जिक्र नहीं जबकि महंगाई की जड़ यहीं से निकलती है केन्द्र सरकार के दूरदर्शिता की कमी के कारण गैस सिलेंडर के दाम 1000 रुपए हो गये है.पेट्रोल डीजल 100 के पार तो भी मोदी सरकार के बजट में कोई राहत नहीं .केन्द्र सरकार युवाओं, गरीबों, किसानों और छोटे तथा मझौले उद्यमों के लिए केवल खोखले वादे कर रही है और बजट में इनके लिए कुछ भी ठोस नहीं किया गया है। फूलों देवी नेताम ने कहा कि बजट में इन वर्गों को फायदा पहुंचाने की कोई योजना नहीं दी गई है, न ही इसमें निजी निवेश आकर्षित करने की कोई बात कही गई है। 2017 -18 के बजट में किसानों की आय 2022 तक दोगुना करने की बात कही तो उसका क्या हुआ. पिछले वादे रहे अधूरे ये वाले भी नही होगें पूरे.केन्द्रीय बजट निराशावादी बजट है.

बजट में हर वर्गों का ध्यान रखा गया है

बजट हिंदुस्तान को नई दिशा देने वाला

बृजमोहन अग्रवाल

भाजपा विधायक एवं पूर्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने देश के आम बजट को विकास उन्मुखी बजट बताते हुए कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बजट में सभी वर्गों का ख्याल रखा है। विशेषकर किसान, महिला, युवा एवं बेरोजगारों के लिए बजट में अनेक प्रावधान किए गए हैं। देश के रक्षा के क्षेत्र के उन्नयन के लिए बजट में बड़ी राशि दी गई 80 लाख गरीबों के सिर पर छत देने के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बजट में प्रावधान किया गया है।

अग्रवाल ने कहा है कि कोविड-19 के चलते जब पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था ध्वस्त हो गई है ऐसे समय में भारत की आर्थिक वृद्धि का 9.2 % का अनुमान देश के बढ़ते आर्थिक ताकत को इंगित करता है। यह बजट देश के 25 साल की बुनियाद की बजट है बजट में युवाओं के लिए 60 लाख से अधिक नौकरियां सृजित की जा रही है। वहीं 1 साल में 25 हजार किलोमीटर हाईवे के विस्तार के लिए 20 हजार करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। 3 साल में 400 नई पीढ़ी के वंदे मातरम ट्रेन चलाने का प्रावधान किया गया है। अग्रवाल ने कहा कि गति शक्ति मिशन व अन्य योजनाओं के तहत नए हिंदुस्तान के संकल्प के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यह बजट सदन में रखा है।

पहले दो चरणों की 113 सीटों पर भाजपा से 4 गुना ज्यादा नुकसान सपा को दे रही कांग्रेस

सपा-कांग्रेस का समझौता

सिर्फ दो-दो VVIP सीटों पर

> अखिलेश यादव की करहल और शिवपाल यादव की जसवंतनगर विधानसभा सीट पर कांग्रेस ने उम्मीदवार नहीं उतारा है। इस फैसले के बाद सियासी गलियारों में यह चर्चा शुरू हो गई है कि दोनों के बीच अप्रत्यक्ष रूप से समझौता है।

कांग्रेस प्रदेश महासचिव ने भी यह साफ कर दिया है कि रायबरेली और अमेठी में सपा के उम्मीदवार न उतारने के फैसले के बाद कांग्रेस ने यह फैसला लिया, यानि कि समझौता सिर्फ दो सीटों पर ही है।

क्या वाकई, इस बात पर कोई वजन है कि दोनों पार्टियों के बीच अप्रत्यक्ष रूप से समझौता है, इसके लिए पश्चिम उत्तर प्रदेश की शुरूआती दो चरणों की 113 सीटों का विश्लेषण किया। इनमें पश्चिमी उत्तर प्रदेश के ज्यादातर जिले आते हैं। विश्लेषण के हिसाब से जातीय समीकरण देखें तो कांग्रेस के घोषित उम्मीदवार सपा के उम्मीदवारों को नुकसान पहुंचाते दिख रहे हैं। 113 में से 60 सीटों पर कांग्रेस किसी को नुकसान पहुंचाती तो नहीं, लेकिन अपना ही सियासी समीकरण बैठाती दिख रही है।

- कांग्रेस ने 33 सीटों पर मुस्लिम उम्मीदवार उतारे हैं। इससे सपा को नुकसान होगा।
- 10 सीटें ऐसी हैं, जिसमें कांग्रेस ने सपा उम्मीदवार की ही जाति का उम्मीदवार उतारा है, इससे भी सपा को नुकसान होगा।
- 10 सीटों पर भाजपा के उम्मीदवार के सामने उसी जाति के उम्मीदवार को उतारा है। इसे भाजपा के उम्मीदवार के वोट कटेंगे।
- 60 सीटें ऐसी हैं, जिसमें कांग्रेस ने भाजपा-सपा और बसपा से अलग जाति के उम्मीदवार को टिकट दिया है। इसमें महिला उम्मीदवार भी शामिल हैं।

इन 43 सीटों पर सपा को नुकसान

देवबंद, कैराना, शामली, चरथावल, मीरापुर, बरहापुर, धामपुर, बिजनौर, कांठ, ठाकुरद्वारा, मुरादाबाद, मुरादाबाद नगर, कुंदरकी, असमोली, संभल, चमरौआ, रामपुर, अमरोहा, हसनपुर, सिवालखास, हस्तिनापुर, मेरठ, मेरठ साउथ, लोनी, मुरादनगर, गढ़मुक्तेश्वर, जेवर, सिकंदराबाद, अनूपशहर, शिकारपुर, अलीगढ़, गोवर्धन, फतेहपुर सीकरी, बाह, सहसवान, शेखूपुर, दातागंज, मीरगंज, भोजीपुरा, बरेली कैंट, आंवला, ददरौल।

इन 33 सीटों पर मुस्लिम उम्मीदवार उतारे

कैराना, शामली, देवबंद, मीरापुर, बरहापुर, धामपुर, कांठ, ठाकुरद्वारा, मुरादाबाद ग्रामीण, मुरादाबाद नगर, कुंदरकी, चरथावल, असमोली, संभल, चमरौआ, रामपुर, अमरोहा, हसनपुर, सरधना, मेरठ साउथ, लोनी, सिकंदराबाद, शिकारपुर, अलीगढ़, शेखूपुर, दातागंज, बरेली कैंट, ददरौल, मीरगंज, भोजपुरा, छपरौली, बिजनौर, नजीबाबाद।

यह है कांग्रेस का सियासी गणित

- कांग्रेस ने पहली लिस्ट में 125 सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा की थी।
- सबसे ज्यादा 19 टिकट मुस्लिमों को दिए, जबकि 18 ब्राह्मण समाज के प्रत्याशी उतारे।
- दलित सुरक्षित सीटों में 10 पासी और 15 जाटव समुदाय के उम्मीदवार उतारे।
- कांग्रेस ने मुरादाबाद मंडल की 19 सीटों में से 10 सीटों में से 8 पर मुस्लिम कैंडिडेट उतारे।
- मुरादाबाद जिले की छह सीटों में से नगर से रिजवान कुरैशी और मुरादाबाद देहात से मुहम्मद नदीम को उतारा है।
- सम्भल की चार सीटों में से दो पर सम्भल से निदा अहमद और असमौली से हाजी मगरूफ आलम को उतारा है।
- अमरोहा की चार सीटों में से अमरोहा सीट से सलीम खान को प्रत्याशी बनाया है।
- रामपुर की पांच सीटों में शहर से काजिम अली, स्वार से हैदर अली, चमरौहा से अली युसूफ को टिकट दिया है।
- छपरौली से यूनुस चौधरी, लोनी सीट से यामीन मलिक को टिकट दिया है।
- अलीगढ़ सीट पर मोहम्मद सलमान इम्तियाज, मीरगंज से मोहम्मद इलियास, ददरौली से तनवीर सफदर को टिकट दिया है।

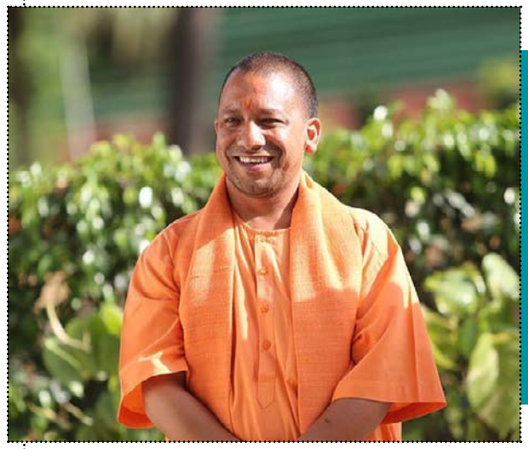

इन 10 सीटों पर भाजपा को नुकसान

मेरठ, गाजियाबाद, नोएडा, बुलंदशहर, बरौली, मांट, एत्मादपुर, आगरा साउथ, आगरा नॉर्थ, कटरा।

न्याय योजना से

खेती-किसानी के दिन बहुरे

> कृषि देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और भारतीय जन-जीवन की धुरी। देश को खाद्यान्न सुरक्षा देने के साथ ही आबादी का आधे से अधिक हिस्सा प्रत्यक्ष रूप से जीविका के लिए कृषि पर निर्भर है। कृषि क्षेत्र की समृद्धि व खुशहाली का अनुकूल प्रभाव अन्य क्षेत्रों और देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। प्रसिद्ध कृषि अर्थशास्त्री प्रोफेसर स्वामीनाथन का मानना है कि भारत के कृषक परिवार से देश की लगभग दो-तिहाई जनसंख्या जुड़ी है।

यह राष्ट्रीय आय का औसतन 17 प्रतिशत हिस्सा तथा ग्रामीण भारत की 80 प्रतिशत श्रम शक्ति को रोजगार देती है। भारत जैसे कृषि प्रधान देश के लिए कृषि में बदलाव एवं उच्चतर विकास दर जरूरी है, जब कृषि उत्पादन बढ़ता है, तब राज्य की आय बढ़ती है तथा प्रति व्यक्ति आय में भी वृद्धि होती है। धान का कटोरा कहे जाने वाले छत्तीसगढ़ राज्य में कृषि क्षेत्र को समृद्ध बनाने की मंशा से छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा फसल उत्पादकता एवं फसल विविधीकरण को प्रोत्साहित करने के लिए शुरू की गई राजीव गांधी किसान न्याय योजना से राज्य में खेती-किसानी और गांवों से लेकर शहरों तक व्यापार व्यवसाय को बढ़ावा मिला है। इस योजना के तहत इनपुट सब्सिडी के रूप में किसानों को अब तक दी जा चुकी 10 हजार करोड़ रूपए से अधिक की राशि की सीधी मदद से कोरोना संकट काल में भी छत्तीसगढ़ के बाजारों में रौनक बनी रही।

राजीव गांधी किसान न्याय योजना से किसानों को मिली इनपुट सब्सिडी से न सिर्फ कृषि रकबे और फसल उत्पादन में वृद्धि हुई बल्कि खेती-किसानी से मायूस हो चुके किसानों के जीवन में एक नए जोश और नई ऊर्जा का संचार हुआ है। खेती छोड़ चुके लोग अब फिर से खेती की ओर लौटने लगे हैं। किसानों पर बकाया 9 हजार 270 करोड़ रुपये की कर्ज माफी और 244.18 करोड़ रूपए के सिंचाई कर की माफी ने भी खेती-किसानी और किसानों के दिन बहुराने में महत्वपूर्ण रोल अदा किया है।

प्रदेश सरकार की नीतियों और किसानों के हित में लिए गए फैसलों का ही यह परिणाम है कि राज्य में खेती- किसानी और किसानों के जीवन में खुशहाली का एक नया दौर शुरू हुआ है। इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि राज्य में वर्ष 2018-19 में पंजीकृत धान का रकबा जो 25.60 लाख हेक्टेयर था, जो आज बढ़कर 30.18 लाख हेक्टेयर हो गया है। इसी अवधि में पंजीकृत किसानों की संख्या 16.92 लाख से बढ़कर 24.06 लाख के पार जा पहुची है। राज्य में सिर्फ धान के रकबे में 5 लाख हेक्टेयर और पंजीकृत किसानों की संख्या में 7 लाख से अधिक की बढ़ोतरी, खेती के दिन बहुरने का सुखद एहसास है। इसका अंदाजा सिर्फ राज्य में समर्थन मूल्य पर खरीदे गए धान की साल दर साल बढ़ती मात्रा से आसानी से लगाया जा सकता है। राज्य में खरीफ विपणन वर्ष 2018-19 में 80.30 लाख मेट्रिक टन, वर्ष 2019-20 में 83.94 लाख मैट्रिक टन, वर्ष 2020-21 में 92.06 लाख मैट्रिक टन रिकॉर्ड इस साल और टूटने जा रहा है। अभी धान खरीदी के पांच दिन बचे है और राज्य में 95 लाख मेट्रिक टन धान की खरीदी हो चुकी है। 7 फरवरी तक होने वाली धान खरीदी के चलते यह आंकड़ा एक करोड़ मेट्रिक टन के पार पहुंच जाएगा।

राजीव गांधी किसान न्याय योजना से राज्य में समृद्ध होती खेती-किसानी को देखते हुए छत्तीसगढ़ सरकार ने अब इस योजना का दायरा बढ़ाकर इसमें खरीफ और उद्यानिकी की सभी प्रमुख फसल को शामिल कर लिया है। कोदो, कुटकी और रागी के उत्पादक किसानों को भी इस योजना के तहत प्रति एकड़ के मान से 9 हजार रूपए की सब्सिडी दिए जाने का प्रावधान किया गया है। धान के बदले अन्य फसलों की खेती या वृक्षारोपण करने वाले किसानों को 10 हजार रूपए प्रति एकड़ के मान से इनपुट सब्सिडी मिलेगी। वृक्षारोपण करने वाले किसानों को यह इनपुट सब्सिडी 3 वर्षों तक दी जाएगी।

छत्तीसगढ़ जैसे विपुल धान उत्पादक राज्य में फसल विविधीकरण समय की मांग और जरूरत है। सरकार इस बात को भलीभांति जानती है। राज्य में अन्य फसलों के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए यह एक सराहनीय पहल है। राज्य की आबादी को पोषण युक्त खाद्य सुरक्षा उपलब्ध कराने के लिए चावल के साथ-साथ अन्य खाद्यान्न फसलों, दलहन-तिलहन का उत्पादन जरूरी है। इसकी पूर्ति फसल विविधीकरण को अपनाकर ही पूरी की जा सकती है। राज्य सरकार ने किसानों और वनवासियों की आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने के लिए कृषि एवं वनोपज के वैल्यू एडिशन के लिए प्रोसेसिंग प्लांट तेजी से स्थापित किए जा रहे हैं, ताकि किसानों को और अधिक लाभ मिल सके।

छत्तीसगढ़ सरकार की सुराजी गांव योजना और गोधन न्याय योजना ने भी राज्य में खेती-किसानी को काफी हद तक मजबूती दी है। नरवा विकास कार्यक्रम के चलते सिंचाई के लिए जल उपलब्धता बढ़ी है और दोहरी और नगदी फसलों का रकबा बढ़ा है। गौठानों में गोधन न्याय योजना के तहत गोबर की खरीदी और उससे बड़ी मात्रा में कम्पोस्ट उत्पादन से राज्य में जैविक खेती की ओर किसानों का रूझान बढ़ा है। रासायनिक उर्वरकों के उपयोग में कमी से खेती की लागत में कमी आई है। किसानों के आमदनी में वृद्धि के लिए फसल विविधीकरण जरूरी है। इससे खेती को लाभकारी एवं टिकाऊ बनाने में मदद मिलती है। छत्तीसगढ़ सरकार की राजीव गांधी किसान न्याय योजना फसल विविधीकरण को बढ़ावा देने और खेती-किसानी समृद्ध बनाने में मददगार साबित हो रही है।

जब भूखे पेट लता दीदी ने गाए 26 गाने

भारत रत्न लता मंगेशकर का 92 साल की उम्र में निधन हो गया। उनकी यादें राजस्थान और जयपुर से भी जुड़ी हुई हैं। यहां की संस्कृति और भाषा से उन्हें बहुत लगाव था। स्वर कोकिला लता जी के प्यार का अंदाजा इससे लग सकता है कि यहां के अकाल पीड़ितों की मदद के लिए उन्होंने जयपुर के एसएमएस स्टेडियम में मुफ्त शो किया था। उन्होंने शो की फीस लेने के बजाय उल्टे अपनी तरफ से अकाल पीड़ितों के लिए पैसे भी दिए थे। इस शो में लता मंगेशकर ने भूखे पेट 26 गाने गाए थे।

तत्कालीन सीएम हरिदेव जोशी को 1 करोड़ 1 लाख रुपए का चेक भेंट किया था

पवास पर होने के कारण उन्होंने तब पूरे दिन कुछ भी नहीं खाया था। 26 नवंबर 1987 को हुए इस शो को देखने के लिए तत्कालीन मुख्यमंत्री हरिदेव जोशी भी टिकट खरीदकर पहुंचे थे। शो से 1 करोड़ 1 लाख रुपए की कमाई हुई, जिसका चेक उट को अकाल पीड़ितों के लिए भेंट किया गया था।

चार दिन रहीं थीं राजस्थान के दौरे पर

राजस्थान में 1987 के दौरान लगातार अकाल पड़ रहा था। अकाल पीड़ितों की मदद के लिए सुर संगम संस्था ने जयपुर के एसएमएस स्टेडियम में शो रखा। संस्था के आग्रह पर लता मंगेशकर ने बिना फीस लिए प्रोग्राम करना स्वीकार कर लिया। उस प्रोग्राम में सभी कलाकारों ने मुफ्त परफॉर्म किया था। उस समय लता जी चार दिन तक राजस्थान दौरे पर रहीं और ज्यादातर समय जयपुर में बिताया था। वे अजमेर भी गई थीं। लता मंगेशकर अकाल पीड़ितों के लिए शो करने 24 नवंबर 1987 को जयपुर पहुंचीं थीं और 26 नवंबर 1987 को शो किया था।

जयपुर में जब लता मंगेशकर ने अपने बनाए नियम तोड़े

सुर संगम संस्था के अध्यक्ष रहे केसी मालू ने भास्कर को बताया कि अकाल पीड़ितों की मदद के लिए जयपुर में उनका शो हमेशा यादों में रहेगा। लता जी चार दिन जयपुर में रहीं थी। वे जयपुर के माहौल को देखकर बहुत खुश हुई थीं। वे गुरुवार का उपवास रखती थीं। उपवास के दिन नहीं गाती थीं। एक नियम और था कि वे एक बार में एक गाना ही गाती थीं। फिर रेस्ट के बाद दूसरा गाना गाती थीं। एसएमएस स्टेडियम के शो में उन्होंने पहली बार दोनों नियम तोड़े। उन्होंने उपवास के बावजूद एक साथ 26 गाने गाए।

लता मंगेशकर ने कहा था- जयपुर की ऑडियंस है वर्ल्ड क्लास

एसएमएस स्टेडियम में हुए शो में 40 हजार दर्शक टिकट लेकर जुटे थे। केसी मालू ने बताया कि लता मंगेशकर की परफॉर्मेंस के वक्त बिल्कुल पिन ड्रॉप साइलेंस की स्थिति थी।

स्वर कोकिला ने कहा था- जयपुर की ऑडियंस है वर्ल्ड क्लास

जयपुर के दर्शकों का अनुशासन देखकर लता मंगेशकर ने कहा था कि जयपुर की ऑडियंस वर्ल्ड क्लास है।

ढट मोदी ने कहा कि लता दी मुझे भाई मानती थीं

ढट नरेंद्र मोदी ने नमो ऐप पर एक ब्लॉग के जरिए लता मंगेशकर के साथ अपनी यादें साझा की हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्होंने अपने गीत से लाखों लोगों के दिलों पर राज किया है। उनका जाना संगीत के एक युग की समाप्ति है। ढट मोदी ने कहा कि लता दी मुझे भाई मानती थीं और आज हमारी लता दीदी हमें छोड़कर चली गईं।

लता दी ने की थी ढट बनने की कामना

2013 में दीनानाथ मंगेशकर अस्पताल के उद्घाटन के दौरान लता दी ने गुजरात के तत्कालीन उट नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने की कामना की थी। उन पलों को याद करते हुए प्रधानमंत्री ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान लता दी ने कहा कि मैं प्रार्थना करती हूं, आप भारत के पीएम बनें। ढट मोदी ने बताया कि लता दी ने पहली बार मुझे इसी कार्यक्रम में नरेंद्र भाई के नाम से संबोधित किया था।

बर्थडे पर बातचीत के ऑडियो का जिक्र

प्रधानमंत्री मोदी ने लता दी के 90वें जन्मदिन पर उनके साथ बातचीत का एक ऑडियो शेयर किया था। इसमें प्रधानमंत्री से बातचीत में लता दी कहती हैं कि देश की बदलती तस्वीर से मुझे खुशी मिलती है। आप इसी तरह निरंतर काम करते रहें। लता दी इस ऑडियो में प्रधानमंत्री की मां से भी आशीर्वाद लेने की बात कहती हैं। प्रधानमंत्री और लता दी के बीच भाई-बहन की बॉन्डिंग थी। प्रधानमंत्री लता दी को उनके जन्मदिन पर कभी भी विश करना नहीं भूलते थे। वहीं लता दी भी प्रधानमंत्री बनने के बाद नरेंद्र मोदी को रक्षा बंधन पर हर साल राखी भेजती थीं। ढट मोदी ने बताया कि जब भी मैं उनसे मिलता था, तो मुझे उनके यहां गुजराती व्यंजन खाने को भी मिलता था।

कोविड के इलाज के सभी कार्य मिशन मोड में करें: टेकाम

प्रभारी मंत्री ने की तैयारियों की समीक्षा

कोरोना की तीसरी लहर में कोविड संक्रमण से बचाव और उपचार के लिए रायगढ़ जिले में की जा रही तैयारियों की स्कूल शिक्षा मंत्री और जिले के प्रभारी मंत्री डॉ. प्रेम साय सिंह ने विस्तृत समीक्षा की। वर्चुअल रूप से आयोजित समीक्षा बैठक में डॉ. टेकाम अपने निवास कार्यालय से शामिल हुए।

उन्होंने कहा कि कोविड संक्रमण के बचाव एवं उपचार के सभी कार्यों को मिशन मोड में किया जाए, जिससे लोगों को बेहतर और त्वरित सुविधा पहुंचाई जा सके। उन्होंने कहा कि कोरोना प्रोटोकाल का पालन करते हुए सभी प्रकार की आर्थिक गतिविधियों का संचालन किया जाए। दैनिक उपयोग की आवश्यक वस्तुओं की जमाखोरी, मुनाफाखोरी करने वालों पर कड़ी निगरानी रखी जाए। उन्होंने जिले के कलेक्टर सहित स्वास्थ्य विभाग के अमले को कोविड प्रोटोकाल का पालन कराने के लिए दिशा-निर्देश दिए।

रायगढ़ जिले के प्रभारी मंत्री डॉ. टेकाम ने कहा कि रायगढ़ जिले में औद्योगिक गतिविधियों की अधिकता होने के कारण बाहर से आने वाले लोगों के कोरोना टेस्ट पर विशेष ध्यान दिया जाए। सीमावर्ती और विदेशों से आने वाले लोगों की कोरोना जांच की जाए। आवश्यकतानुसार क्वारेंटाईन सेंटर भी स्थापित किए जाए। अस्पतालों में कोरोना मरीजों की देखभाल और उपचार के लिए तय किए गए वार्डों में चिकित्सा उपकरणों की जांच कर उन्हें दुरूस्त कर लिया जाए। अस्पतालों में ऑक्सीजन की आपूर्ति सहित सभी आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित कर ली जाए। डॉ. टेकाम ने कहा कि सार्वजनिक स्थानों जैसे-रेलवे स्टेशन, बस स्टैण्ड आदि स्थानों में कोविड जांच के लिए स्वास्थ्य विभाग के मैदानी अमलों को तैनात किया जाए। विदेशों से आने वाले लोगों की सूचना अनिवार्य रूप कोविड नियंत्रण कक्ष को दी जाए। कोरोना पीड़ितों के उपचार और देखभाल के लिए जिले के स्वयं सेवी संगठनों, जनप्रतिनिधियों, व्यापारी संगठनों का भी सहयोग लिया जाए।

कलेक्टर भीम सिंह ने जिले में टेस्टिंग, ट्रेसिंग, ऑक्सीजन व आईसीयू बेड, ऑक्सीजन की उपलब्धता, मेडिकल उपकरण व मैन पॉवर की व्यवस्था के बारे में बताया कि मेडिकल कॉलेज में कोविड वार्ड बनाया जा रहा है। इसके अतिरिक्त सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में भी कोविड और आइसोलेशन वार्ड तैयार किये गए हैं। साथ ही यहां ऑक्सीजन आपूर्ति के लिए पाइप लाइन के साथ ऑक्सीजन प्लांट्स भी लगाए गए हैं। निजी अस्पतालों को भी पिछली बार की तरह कोविड वार्ड तैयार करवा कर उन्हें अलर्ट मोड में रखा गया है। जिले में उपचार के लिए समुचित व्यवस्था तैयार कर ली गयी है। मरीजों का चिन्हांकन कर वार्ड वार और ग्राम वार क्लस्टर की पहचान की जा रही है ताकि कन्टेनमेंट नियमों का कड़ाई से पालन हो और संक्रमण प्रसार को नियंत्रित किया जा सके। उन्होंने बताया कि 15 से 18 वर्ष के किशोरों के टीकाकरण अभियान में अब तक 47 हजार 823 का टीकाकरण पूर्ण हो गया है। जिले में 93 हजार किशोरों को टीकाकरण किए जाने का लक्ष्य है।

रिलेशनशिप में

इन चीजों को बर्दाश्त करना पड़ता है भारी

इस बात में कोई दोराय नहीं है कि एक रिश्ते को संभालने के लिए प्यार, विश्वास और समझदारी की जरूरत होती है। हालांकि इन सभी बातों के साथ ऐसी कई छोटी-छोटी बातें भी होती हैं, जिन्हें बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं करना चाहिए। अगर पार्टनर के साथ हर दिन आपकी लड़ाई हो रही है या किसी बात को लेकर अनबन शुरू हो जाती है, तो आपको रिश्ते में सतर्क होने की जरूरत है।

किसी भी रिश्ते में इमोशनल अब्यूज, स्वार्थपन या जबरदस्ती का समझौता उसे खराब कर देता है। कपल्स के बीच इस तरह के चीजें हर दिन होने के बाद रिश्ता कमजोर होने लगता है। ऐसे में कुछ ऐसी बातें होती हैं, जिन्हें आपको रिश्ते में बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं करना चाहिए, वरना भविष्य में आपको इसका खामियाजा भुगतना पड़ सकता है। रिश्ते में आपको कभी भी भावनात्मक शोषण का सामना नहीं करना चाहिए, चाहे आप अपने साथी से कितना भी प्यार करें। एक रिश्ते में पार्टनर्स को एक-दूसरे को खामियों के साथ स्वीकार करना होता है, लेकिन लगातार अपमान और तीखे स्वर सीधे मन को आघात पहुंचाते हैं। यही कारण है कि जितना ज्यादा शारीरिक शोषण को बुरा माना जाता है, उतना ही मानसिक तौर पर भी किसी को टॉर्चर करना गलत है। अगर आप पार्टनर के साथ भावनात्मक तौर पर अनादर झेल रहे हैं, तो इसे बर्दाश्त करने की जरूरत नहीं हैं।

क्या हमेशा करना पड़ता है समझौता?

अगर आपका साथी हमेशा आखिरी समय में प्लान बदल देता है या आपसे अपनी सुविधा अनुसार चीजे करने के लिए कहता है, तो यह एक संकेत है कि आपका पार्टनर वास्तव में आपको महत्व नहीं देता है। ऐसे में आपको यह समझने की जरूरत है कि हर बार आप ही कॉमप्रोमाइज करें, ऐसा बिल्कुल भी जरूर नहीं। एक सही पार्टनर वही होता है, जो आपको प्राथमिकता दे और आपके लिए भी वक्त निकालें।

अपशब्दों से भरी लड़ाई को होना

जब छोटी-छोटी बातों पर पार्टनर आपसे बुरी तरह से लड़ाई करने लगे और हर दूसरी बात के लिए आपसे रिश्ता खत्म करने की बात कहने लगे, तो यह बर्दाश्त करने लायक बात नहीं है। एक रिश्ते में साथी की तरफ से हद से ज्यादा चिल्लाना या आहत करने वाली बातें सुनना बिल्कुल भी झेलना नहीं चाहिए। वहीं अगर आपका पार्टनर चीजों को इधर-उधर फेंककर या किसी भी तरह की चोट पहुंचाने की कोशिश करता है, तो ऐसे रिश्ते को खत्म करने तत्काल आवश्यकता होती है।

रिश्ते को सबसे छिपाकर रखना

अगर आपका पार्टनर आपके साथ रिश्ते को हर किसी से छिपाकर रखता है और किसी को बताना नहीं चाहता, तो आपको एलर्ट होने की जरूरत है। साथी अगर अपने परिवार को आपके बारे में नहीं बताता है, तो यह एक सीरियस मामला है। भले ही आपको पार्टनर कितना भी समझाने की कोशिश करें या कोई वजह दे, लेकिन आपको इस बात को गंभीरता से लेना चाहिए।

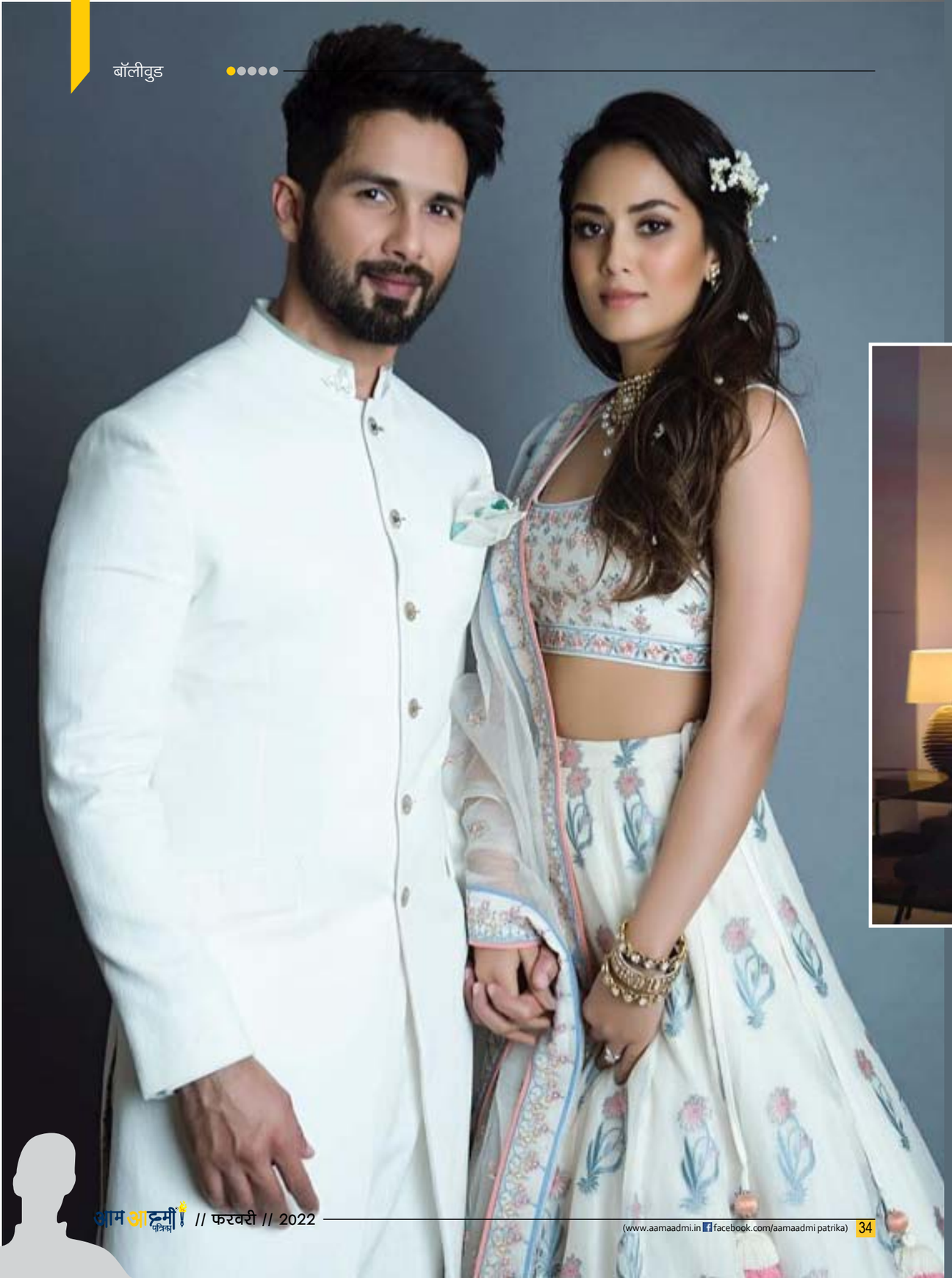

मीरा राजपूत ने नए घर के लिविंग रूम की दिखाई झलक

एक्टर शाहिद कपूर की पत्नी एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री से तो दूर रहती हैं। लेकिन उनकी सोशल मीडिया पर काफी फैन फॉलोइंग रहती है। वो अक्सर फैन्स के साथ कई चीजें शेयर करती रहती हैं। अब हाल ही में मीरा ने सोशल मीडिया पर फैन्स के साथ अपने नए घर की एक झलक साझा की है। यह फोटो मीरा के नए लिविंग रूम की लग रही है, जिसमें एक सोफा, एक कॉफी टेबल, एक लैंप, कुछ पौधे और एक सुंदर पेंटिंग नजर आ रही है।

अंकुर डिजाइन कर रहे हैं मीरा और शाहिद का नया घर

मीरा ने फोटोज शेयर कर लिखा, ह्लअंकुर खोसला जूम पर घर से दूर घर कैसे बनाएं !ह्व बता दें अंकुर फिलहाल शाहिद और मीरा के सपनों के घर को डिजाइन कर रहे हैं। शाहिद और मीरा इससे पहले भी अपने घर में हो रहे काम की झलक की फोटोज शेयर कर चुके हैं। पिछले महीने अंकुर ने मीरा और शाहिद के नए घर की बालकनी से एक वीडियो शेयर किया था और कैप्शन में लिखा था, ह्लशैडोस और टारगेट्स का पीछा करते हुए !ह्व उसी वीडियो को मीरा ने अपनी सोशल मीडिया स्टोरीज पर रीपोस्ट भी किया था।

शाहिद ने 56 करोड़ में खरीदी थी यह आलीशान प्रॉपर्टी

शाहिद और मीरा फिलहाल अपने बच्चों मीशा और जैन के साथ अपने नए घर में शिफ्ट होने के लिए तैयार हैं। बता दें शाहिद ने 2018 में यह आलीशान प्रॉपर्टी खरीदी थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, शाहिद ने 427.98 वर्ग मीटर की प्रॉपर्टी 56 करोड़ रुपए में खरीदी है।

हम अक्सर एक्ट्रेसेस की ग्लोइंग स्किन को देखकर आकर्षित होते हैं। उनकी जैसी बेदाग और दमकती त्वचा हमारी ख्वाहिश बन जाती है। ऐसे में हम उनके हर एक स्किन केयर रूटीन को फॉलो करने लगते हैं। बात करें एक्ट्रेस नोरा फतेही की तो उनकी स्किन हमेशा फ्लॉलेस दिखती है। एयरपोर्ट लुक हो या फिर कोई इवेंट हर वक्त वह अपनी चमकती त्वचा से लोगों को इंप्रेस करती रहती हैं। उनकी इस ग्लोइंग स्किन के पीछे स्किन केयर रूटीन है, जिसे वह हमेशा फॉलो करती हैं। बता दें कि एक्ट्रेस अपनी स्किन का ख्याल रखने के लिए खास प्रोडक्ट का इस्तेमाल करती हैं।

बेहद हसीन और कोमल है नोरा फतेही

इंटरनेट सेंसेशन नोरा फतेही अपने आप में ग्लैमर हैं। अपने फैशन सेंस के अलावा उनकी खूबसूरती भी लोगों को काफी आकर्षित करती है। ऐसे में अगर आप भी एक्ट्रेस की तरह ग्लोइंग और दमकती त्वचा चाहती हैं तो उनके इस स्किन केयर रूटीन को फॉलो कर सकती हैं। वहीं डांसिंग डीवा नोरा फतेही इंस्टाग्राम के अलावा कई अन्य इवेंट में अपनी ब्यूटी सीक्रेट का खुलासा कर चुकी हैं।

नोरा फतेही घर पर अपनी स्किन को फ्रेश रखने की कोशिश करती हैं। मेकअप रिमूव करने के बाद वह स्किन को अच्छी तरह क्लीन करती हैं। इसके लिए वह अपनी पसंद का क्लींजर यूज करती हैं। उनका फेवरेट आर्गन माइल्ड फेस क्लींजर है जो उनके फेस को क्लीन करने के साथ-साथ पोर्स को भी डर्ट फ्री रखता है। एक्ट्रेस एक्ने, झुर्रियां या फिर डार्क स्पॉट्स जैसी परेशानियों से निपटने के लिए आर्गन माइल्ड फेस क्लींजर मॉर्निंग और इवनिंग दोनों स्किन केयर रूटीन में इस्तेमाल करती हैं।

नोरा फतेही बताती हैं कि वह एक्सफोलिएट करने के लिए ग्रीन टी युक्त स्क्रब यूज करती हैं। दरअसल,ग्रीन टी युक्त स्क्रब उनके फेस को ना सिर्फ डीप क्लीन करता है बल्कि उसे स्ट्रेस फ्री भी रखता है। बता दें कि एक्ट्रेस की स्किन जेनेटिकली काफी सॉफ्ट है, ऐसे में वह हार्श की जगह क्रीम टेक्सचर वाले स्क्रब को इस्तेमाल करना ज्यादा पसंद करती हैं। हेक्टिक शेड्यूल के बाद वह इसे अक्सर अप्लाई करती हैं। इसे हल्के हाथों से सर्कुलर मोशन में अपने फेस पर अप्लाई हैं। कम से कम 5 से 6 मिनट तक करने का बाद वह फेस को क्लीन कर लेती हैं।

नोरा फतेही के अनुसार, अगर आपकी स्किन हाइड्रेट नहीं है तो आप बूढ़े दिखने लगते हैं। फिर चाहे वो 20 की उम्र हो या फिर 30 की, ऐसे में जरूरी है कि अपनी स्किन को हाइड्रेट रखा जाए। एक्ट्रेस स्किन को हाइड्रेट रखने के लिए ग्रीन टी एंटीऑक्सीडेंट मास्क अप्लाई करती हैं। वह रोजाना के बजाय हफ्ते में एक या 2 बार इसे अप्लाई करती हैं। 10 से 15 मिनट बाद वह फेस को पानी से क्लीन कर लेती हैं। नोरा बताती हैं कि उनके ब्यूटी प्रोडक्ट में आर्गन ऑयल मेन इंग्रेडिएंट्स होता है, जो उनकी त्वचा को हेल्दी बनाए रखने में मदद करता है।

नोरा फतेही रोज वॉटर युक्त टोनर का इस्तेमाल करती हैं। इसके लिए वह अपने फेस पर इसे स्प्रे करती हैं और फिर उसे कॉटन बॉल से टैप करते हुए पोंछती हैं। इसके बाद वह सीरम अप्लाई करती हैं। खास बात है कि उनके यह ब्यूटी प्रोडक्ट नेचुरल इंग्रेडिएंट से बने होते हैं, जो उनके स्किन टाइप के लिए परफेक्ट हैं।

नोरा फतेही के अनुसार, स्किन केयर रूटीन फॉलो करने के अलावा वह रोजाना डांस करती हैं। यह उनके मूड को अच्छा रखता है, जिसकी वजह से स्किन ग्लो करती है। इसके अलावा वह पानी भी खूब पीती हैं। वह कोशिश करती हैं कि अपनी डाइट में फल और लिक्विड पदार्थों को ज्यादा से ज्यादा शामिल किया जाये। उन्हें हर वक्त एक्टिव रहना पसंद है, यह उन्हें अंदर से खुशी देता है, जिससे उनकी स्किन ग्लो करती है।

माह : फरवरी 2022

राशिफल

मेष

आप पंख लगाकर हवा में उड़ते महसूस करेंगे, क्योंकि कहीं न कहीं से अचानक धन की बारिश होने वाली है। अपना कोई सपना साकार कर लेने में सक्षम होंगे, ह्यउनकेह्ल साथ तफरीह का कार्यक्रम बनेगा, बच्चे भी शरीक होंगे। कम मेहनत में अधिक फायदा देने वाला समय है। भविष्य के लिए पूँजी निवेश करें। समाज में सम्मान व प्रतिष्ठा मिलेगी। अंक 3 शुभ है।

वृष

आप अपने आत्मविश्वास के बल स्थितियों को अपने अनुकूल करने में कामयाबी हासिल करेंगे। पूर्व नियोजित कार्यों का निपटारा करने का समय है, चूकियेगा मत। घर से ले कर बाहर तक खुशमिजाजी का माहौल बना रहेगा। किसी से प्यार का इजहार करने के लिये समय ठीक है। आर्थिक पक्ष तो मजबूत रहेगा ही, साथ ही रोमांस के लिए भी वक्त आपके अनुकूल है। अंक 6 शुभ है।

मिथुन

कहीं धूप कहीं छाँव जैसा समय बीतेगा। पारिवारिक लोगों की बातें तो मन को कचोटेंगी पर मित्रों का सहयोग मरहम लगायेगा। अगर आप चुप्पी साध लें तो आगे फायदे में रहेंगे। शेयर बाजार व सट्टे से दूर रहने में ही भलाई है। जीवन साथी या अपनी फ्रेन्ड के साथ अपना दिली दर्द बांटेंगे, तसल्ली भी मिलेगी। अंक 3 शुभ है।

कर्क

समय बहुत तसल्लीबख्श बीतेगा, कार्य व्यापार में लाभ परिवार के लोगों की निष्ठायें तो साथ होंगी ही, मित्रों का सहयोग भी प्राप्त होगा, परन्तु भूल कर भी आवश्यकता से अधिक यकीन करना किसी पर ठीक नहीं है। आध्यात्मिक पक्ष भी कुछ मजबूत रहेगा। अंक 9 शुभ है।

सिंह

शुरूआत से ही कुछ ऐसा घटित हो सकता है कि आप मानसिक अस्थिरता का शिकार हो जायेंगे। समय की शुरूआत से ही आलस्य शरीर में भरा रहेगा। पूर्वनियोजित कार्यों को स्थगित कर देना ही ठीक रहेगा। पुरानी बातें याद करने से मन में खटास ही आयेगी, अतः उन्हें भुलाने के लिए परिवार को लेकर कहीं घूम आयें, मन को शांति मिलेगी। अंक 8 शुभ है।

कन्या

हर पल उमंग और उल्लास से भरे रहेंगे। अपनी वाक्पटुता के जरिए समाज में एवं मित्रों के बीच सम्मान पायेंगे। आप कोई बड़ा जोखिम उठायेंगे। व्यापार में उम्मीद से ज्यादा पूंजी फंसानी पड़ेगी। शेयर बाजार में आपके लिए कमाई का अवसर है, अतः लाभ उठाने की कोशिश करें, हाँ एक बात का ध्यान रखियेगा उतावलापन ठीक नहीं है। किसी से प्यार का इजहार करने के लिए समय ठीक है। अंक 6 शुभ है।

तुला

घर-गृहस्थी की जिम्मेदारियां आप बखूबी निभाएंगे। पुराने कर्मचारियों के प्रति मन में भ्रांतियां उत्पन्न होंगी। व्यापार में जोखिम उठाने से ही लाभ मिलेगा। शरीर आज टूटा-टूटा सा रहेगा। शेयर सट्टे से छिटपुट लाभ उठा सकते हैं। संतानों के प्रति ज्यादा सख्ती ठीक नहीं हैं। शैक्षिक कार्य में कोई अहम फैसला आप लेंगे। शुभ अंक 7 है।

वृश्चिक

परिवार में किसी प्रकार का हल्का विवाद सम्भावित है, अगर धैर्य बनाये रहेंगे तो सारी बातें स्वतः निपट जायेंगी। तनाव को दूर करने के लिए जीवन संगिनी को लेकर कहीं सैर कर आयें, शांति मिलेगी। शेयर बाजार व सट्टे से दूर रहना आपके लिए हितकर है। खानपान में संयम बरतना आवश्यक है। अंक 7 शुभ है।

धनु

समय बहुत तसल्लीबख्श बीतेगा, कार्य व्यापार में लाभ परिवार के लोगों की निष्ठायें तो साथ होंगी ही, मित्रों का सहयोग भी प्राप्त होगा, परन्तु भूल कर भी आवश्यकता से अधिक यकीन करना किसी पर ठीक नहीं है। आध्यात्मिक पक्ष भी कुछ मजबूत रहेगा। शेयर बाजार में लाभ का अवसर है। अंक 9 शुभ है।

मकर

किसी भी शिक्षा-प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए यह समय शुभ है। ह्यउनकीह्ल अदायें आपके मन को मोह लेंगी, और दिल में मीठी गुदगुदी होती रहेगी। शेयर या सट्टे से कुछ कमाने का अवसर है, पर बहुत सम्भल कर चलियेगा क्योंकि बाजार बहुत उतार-चढ़ाव लेकर चलेगा। अपनी जिम्मेदारियां दूसरों में बाँटकर कुछ आराम महसूस करेंगे। अंक 5 शुभ है।

कुम्भ

घर व दफ्तर दोनों जगह काफी संघर्षपूर्ण स्थितियों का सामना करना पड़ेगा। बॉस तो घुड़की दे ही सकते हैं अधीनस्थ भी आँखें तरेरेंगे, मगर धैर्य आपको विजयी बनायेगा। महत्वाकांक्षाएं सीमित रखनी होगी। दूर क्षेत्र से प्राप्त सूचना उत्तेजित कर सकती हैं। शेयर सट्टे से दूर रहना ही आपके लिए बेहतर है। सर्दी की बीमारी भी सम्भव है। अंक 8 शुभ हैं।

मीन

किसी आध्यात्मिक व्यक्ति से सम्पर्क होगा जो भविष्य में आपके लिए अच्छा साबित होगा। आपके खुश मिजाज स्वभाव के कारण कर्मचारियों से आपको अच्छा सहयोग मिलेगा। किसी पारिवारिक व्यक्ति से आपको अच्छा लाभ प्राप्त हो सकता है। समय काफी मनोरंजक बीतेगा। मेहनत तो कम पड़ेगी, परन्तु फल अच्छा प्राप्त हो जायेगा। अंक 9 कारगर है।

गांधी के सपनों का नया अध्याय
अंतिम व्यक्ति तक पहुंचा न्याय

न्याय से खेतों में खुशहाली

राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना

प्रत्येक हितग्राही को हर साल मिलेगी ₹6,000 की आर्थिक सहायता

युवा शक्ति से नवा छत्तीसगढ़ का निर्माण

राजीव युवा मितान क्लब

बापू की स्मृतियों को मिलेगा आकार
उनके विचारों, आदर्शों और दर्शन का केंद्र

नया रायपुर में सेवाग्राम

शहीद जवानों की
सदा याद रखेंगे कुर्बानी

छत्तीसगढ़ अमर जवान ज्योति

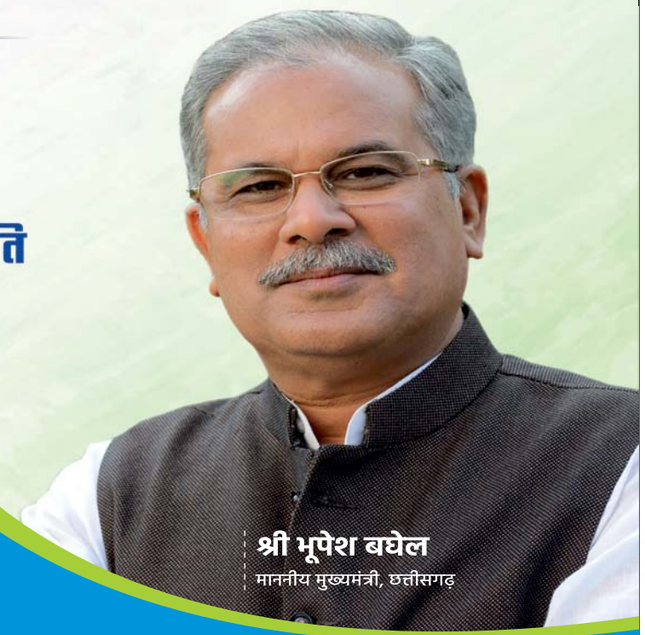

श्री भूपेश बघेल
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ मॉडल
न्याय एवं सशक्तिकरण

R.O NO.- 11707/166